हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

लवलीना और निकहत की अगुआई में उतरेगा भारत

11

द व्हाइट लोटस को ठुकराने की खबरों

12

वर्ष : 12, अंक : 128 , पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 मार्च से 15 मार्च 2026 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

ख़ास ख़बर

होली को लेकर राजधानी पटना के बाजार में रौनक

पटना। रंगो के त्योहार होली को लेकर बिहार की राजधानी पटना के बाजार में रौनक देखने को मिल रही है। चार मार्च को होली का त्योहार मनाया जायेगा। रंगों के उत्सव होली का एक अलग ही महत्व है। यही वजह है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर आयु वर्ग के लोग इस त्योहार को बड़े ही उत्साह से मनाते हैं और पारंपरिक होली गीत गाकर एक-दूसरे के साथ रंग-गुलाल खेलते हैं। रंगों का पर्व होली को लेकर पटना में होली का बाजार रंग-गुलाल, पिचकारी और मुखौटों से सज चुका है।सुबह से ही लोगों की भीड़ बाजारों में देखते ही बन रही है। युवा और छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग जमकर खरीददारी करने में जुटे हुए हैं। रंग-गुलाल, पिचकारी, कपड़े, किराना सामान, मेवा की खरीददारी तेज है। होलिका दहन की पूजा के लिए भी पूजन सामग्री की भी खरीदारी लोग कर रहे हैं। बाजारों में रंग-बिरंगे अबीर एवं गुलाल की धूम है।खरीदारों की बढ़ती संख्या से बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है। दुकानदारों के चेहरे भी खिले हुए हैं। होली के त्योहार को देखते हुए विशेष तैयारियां की गई हैं।होली के दौरान उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री से भी बाजार भरे-पड़े हैं। इस बार बच्चों के लिए खास पिचकारियां मार्केट में उपलब्ध हैं।

नागपुर में फैक्ट्री में विस्फोट से 15 लोगों की मौत, कई घायल

मुंबई। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के कटोल में रविवार को एक एक्सप्लोसिव फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्री थी और पीड़ितों में ज्यादातर महिलाएं हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही नागपुर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गये और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटिल ने कहा कि बचाव ऑपरेशन जारी है और विशेषज्ञ मौके पर हैं। इस घटना में कुल कितने लोग मारे गये हैं उनकी सही संख्या अभी की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है।

मौके पर मौजूद पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के तहत जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा, हम सभी वरिष्ठअधिकारियों के साथ तकनीकी और वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित कर रहे हैं और पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं।

ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण मुंबई एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स कैंसिल, यात्रियों को हुई परेशानी

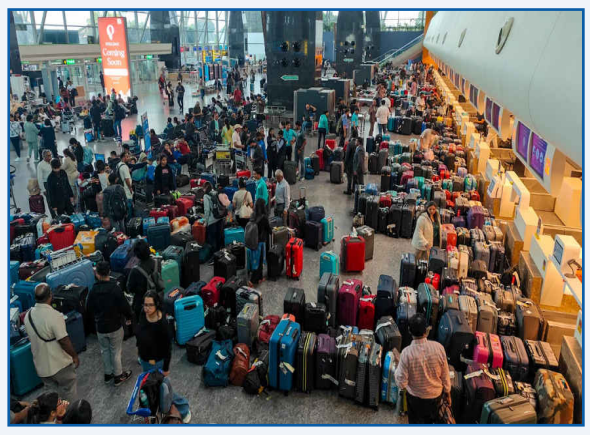

एजेंसी ◂◂ मुंबई

ईरान और इजरायल में संघर्ष के कारण मिडिल ईस्ट जाने वाली फ्लाइट कैंसिल होने से मुंबई में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मुंबई एयरपोर्ट पर अबू धाबी जा रहे टूरिस्ट को इलाके में तनाव की वजह से फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी, जिससे वे रात भर फंसे रहे और एयरलाइंस से कोई अपडेट नहीं मिला। उन्होंने कहा, वे 25 फरवरी को झारखंड से मुंबई के लिए निकले थे। शनिवार को वे मुंबई पहुंचे और यहां से रात को करीब 12 बजे फ्लाइट थी, लेकिन वह कैंसिल हो गई। इस कारण एयरपोर्ट के पास ही रात गुजारनी पड़ी। फ्लाइट में देरी और कैंसलेशन पर कर्नाटक की रहने वाली एक महिला खिलाड़ी ने कहा, ÷हम एक हॉकी टीम से हैं, जो यूरोप आइस हॉकी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही है। हम यूरोप चैंपियनशिप के लिए जा रहे थे, लेकिन अचानक युद्ध के कारण हमारी फ्लाइट कैंसल हो गई।

एक आइस हॉकी खिलाड़ी ने मां ने कहा, मेरा बेटा और उसके टीम के साथी आइस हॉकी स्पोर्ट के लिए भारतीय टीम को रिप्रेजेंट करने जर्मनी जा रहे हैं। बदकिस्मती से, युद्ध के हालात की वजह से फ्लाइट कैंसल कर दी गई हैं। बच्चे लगभग 2 साल से इस खेल की तैयारी कर रहे हैं। वे हर दिन रात 11 बजे तक प्रैक्टिस करते हैं। इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। सरकार ने नागरिकों से शांति और संयम बनाए रखने व आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया। एडवाइजरी के अनुसार, कतर (दोहा), सऊदी अरब (रियाद), इजरायल (तेल अवीव), ईरान (तेहरान), इराक (बगदाद), कुवैत, बहरीन, ओमान (मस्कट), जॉर्डन व संयुक्त अरब अमीरात (अबू धाबी) में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि वह विदेश में रह रहे राज्य के नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्क है और केंद्र सरकार व संबंधित भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय में स्थिति की निगरानी कर रही है। सरकार ने दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिक अफवाहों से बचें, सिर्फ आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल दूतावास से संपर्क करें।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और बडगाम समेत कई शहरों में लोग नारे लगाते हुए मार्च कर रहे हैं

श्रीनगर समेत कई शहरों में खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन

एजेंसी ◂◂ श्रीनगर

अमेरिका और इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर सामने आते ही हड़कंप मच गया। इसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में लोग सड़कों पर उतर आए और अमेरिका व इजरायल के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर ने लोगों में गुस्से और रोष की लहर पैदा कर दी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और बडगाम समेत कई शहरों में लोग नारे लगाते हुए मार्च कर रहे हैं, जिस वजह से शहरों की कई मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक बाधित हो गया। स्थिति को काबू में करने के लिए अधिकारियों ने कुछ जगहों पर वाहनों का रास्ता बदल दिया। श्रीनगर

में भी रविवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। स्थानीय लोग खामेनेई की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और अमेरिका व इजरायल विरोधी नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ने के कारण शहर के कई हिस्सों में पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। हालांकि, प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है लेकिन किसी भी तरह की अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कार्रवाई पूरे हफ्ते या जरूरत पड़ने तक जारी रहेगी। ट्रंप ने खामेनेई को ÷इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक÷ बताते हुए कहा कि उनकी मौत ईरान की जनता के लिए न्याय है। यह उन सभी अमेरिकी नागरिकों और दुनिया के कई अन्य देशों के लोगों के लिए भी न्याय है जो खामेनेई और उनके साथियों के कारण मारे गए या घायल हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद ईरान की सरकारी मीडिया ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है।

खाड़ी देशों में फंसे लोगों की वापसी को जदयू सांसद ने विदेश मंत्री से की बात

पटना। जदयू सांसद संजय झा ने ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बात पर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों के अलावा बिहार के लोग खाड़ी देशों में रहते हैं और उनके परिवार के लोगों के फोन भी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस संबंध में बात की है। उन्होंने कहा कि उन देशों के लीडरशिप से बात हो रही है और वहां के सारे एयरपोर्ट बंद हैं। जदयू सांसद संजय झा ने कहा कि खाड़ी के देशों में जो भी भारतीय हैं, वो घर के अंदर रहें और भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। जैसे ही स्थिति थोड़ी नॉर्मल होगी तो उनकी वापसी का रास्ता निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग चाहते हैं कि संघर्ष रुके। इस मामले को लेकर बिहार सरकार भी भारत सरकार के संपर्क में है। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश के जन्मदिन को लेकर कहा कि नीतीश कुमार का जन्मदिन हम लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। जब नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री बने, उससे पहले की स्थिति किसी से छिपी नहीं है।

मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी ◂◂ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हसनाबाद में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अंतिम मतदाता सूची से नामों को चिह्नित करके हटाए जाने को लेकर विरोध में प्रदर्शन किया। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार रात सड़क पर टायर जलाए और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के खिलाफ नारे लगाए। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी का पुतला भी जलाया।

विरोध प्रदर्शन के चलते स्थानीय लेबुखाली रोड पर लोगों का आवागमन बंद रहा और यातायात भी बाधित हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटा दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया, चुनाव आयोग ने अल्पसंख्यक बहुल बूथों को चुनकर उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। शाहपुर के बूथ नंबर 111 में लगभग 400 अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम अंतिम सूची से हटा दिए गए हैं। भाजपा और चुनाव आयोग की यह साजिश किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई। जैसे ही यह सूची प्रकाशित हुई, राज्य के विभिन्न हिस्सों में आक्रोश और विरोध प्रदर्शन फैल गए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बसीरहाट उपमंडल से 16,125 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। हसनाबाद में भी नामों को हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुआ, वह भी बसीरहाट दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बसीरहाट दक्षिण विधानसभा के अंतर्गत शाहपुर के बूथ नंबर 111 में कुल 1,065 लोगों में से 400 लोगों को अंतिम मतदाता सूची में 'हटा दिया गया' के रूप में दिखाया गया है। शाहजहां मोरल ने बताया, इस बूथ में लगभग 400 अल्पसंख्यकों के नाम चुनाव आयोग की ओर से प्रकाशित मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

मौसम विभाग ने मई तक तमिलनाडु में तेज गर्मी की चेतावनी जारी की

एजेंसी ◂◂ चेन्नई

मौसम विभाग ने मार्च से मई 2026 तक तमिलनाडु के लिए भीषण लू की चेतावनी जारी की है। विभाग ने शनिवार शाम कहा कि मार्च-मई 2026 के सीजन के दौरान उत्तरी तमिलनाडु में सामान्य से अधिक लू वाले दिन रहने की संभावना है। वर्तमान में दिन का तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, लू के तेज

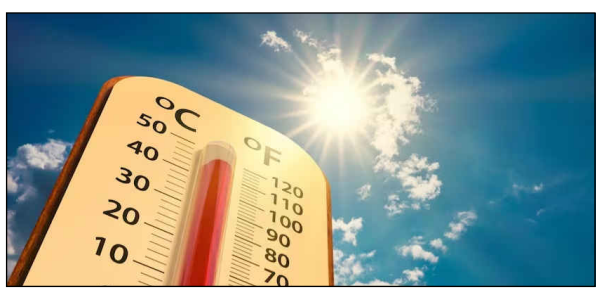

होने पर जिसके और ऊपर जाने की आसार है। लू के बढ़ते जोखिम से सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बिजली की मांग और आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिसका विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, बाहर काम करने वाले मजदूरों और पहले से बीमार लोगों पर असर पड़ेगा।

इसमें कहा गया है कि उच्च तापमान के कारण गर्मी से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ सकता है। मौसम विभाग (आईएमडी) गंभीरता और प्रभावित क्षेत्रों को दर्शाने के लिए साप्ताहिक और विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान, प्रारंभिक चेतावनी और प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ) जारी करेगा। जनता को सलाह दी गयी है कि वे शरीर में पानी की कमी न होने दें। दोपहर की भीषण गर्मी से बचें और इस दौरान अति संवेदनशील वर्गों का विशेष ख्याल रखें। चूंकि इस साल उत्तर-पूर्वी मानसून लंबा चला और जनवरी तक बना रहा, साथ ही राज्य में शृंखलाबद्ध तरीके से चक्रवात और कुछ मौसम प्रणालियां देखी गयीं, इसलिए फरवरी के तीसरे सप्ताह तक मौसम ठंडा रहा, जो एक दुर्लभ घटना है। इसे देखते हुएं।

आयोजित समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, सभी पक्षों से चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया

नजफगढ़ गौशाला प्रबंधक समिति का चुनाव 8 मार्च को

नजफगढ़ मैट्रो ◂◂ नई दिल्ली

नजफगढ़ स्थित गौशाला प्रबंधक समिति के चुनाव अब 8 मार्च 2026 (रविवार) को आयोजित किए जाएंगे। यह चुनाव गौशाला नंबर-1, नजफगढ़ में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा।

गौशाला प्रबंधक समिति की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि समिति का चुनाव पहले 15 फरवरी 2026 को प्रस्तावित था, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों के चलते उस दिन चुनाव विधिवत संपन्न नहीं हो सका। इसके बाद क्षेत्र के लोगों और गौशाला के दानदाताओं में असंतोष की स्थिति बन गई थी। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, सभी पक्षों से चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि चुनाव को पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण तरीके से दोबारा कराया जाए, ताकि गौशाला के प्रबंधन के

> गौशाला प्रबंधक समिति की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि समिति का चुनाव पहले 15 फरवरी 2026 को प्रस्तावित था, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों के चलते उस दिन चुनाव विधिवत संपन्न नहीं हो सका।

लिए योग्य और निष्ठावान लोगों का चयन हो सके। समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि गौशालाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए और समिति का गठन केवल गौसेवा और गौशाला के हित को ध्यान में रखकर किया जाएगा। गौशाला प्रबंधक समिति ने क्षेत्रवासियों, दानदाताओं और गौसेवकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मत के माध्यम से नई समिति के गठन में सहयोग करें।

मावल के अढाले गांव के गुरुकुल विद्यालय परिसर में अजित पवार की प्रतिमा स्थापित

एजेंसी ◂◂ पुणे

पुणे के मावल अढाले गांव में महाराष्ट्र के दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा गुरुकुल विद्यालय परिसर में लगाई गई, जिसे लेकर स्थानीय स्तर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरुकुल संस्था के ट्रस्टी तथा भारतीय जनता पार्टी पुणे जिला पदाधिकारी सचिन घोटकुले ने बताया कि संस्था की ओर से यह पहल विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि अजित पवार के विकास आधारित विचार, स्वच्छता का संदेश, समाज कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रशासनिक कार्यशैली को ध्यान में रखते हुए प्रतिमा स्थापित की गई है। उनका मानना है कि इससे छात्रों में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन, स्वच्छता और

आदर्श नागरिकता के संस्कार विकसित होंगे। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने राज्य में बुनियादी ढांचा विकास, जल संरक्षण परियोजनाओं, ग्रामीण विकास, शिक्षा क्षेत्र में सुधार और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों में अजीत पवार की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों ने महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की नई दिशा दी। कार्यक्रम के दौरान यह भी आशा व्यक्त की गई कि विद्यालय परिसर में स्थापित यह प्रतिमा विद्यार्थियों को समाज सेवा, पारदर्शी प्रशासन और जनहित के कार्यों के लिए प्रेरित करती रहेगी। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे उपक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरणादायी व्यक्तित्वों से जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। अजित दादा हम लोगों के लिए प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने लोगों की हमेशा सहायता की। अगर कोई भी उनके यहां जाए तो कभी ऐसा नहीं हुआ है कि निराश होकर वापस आया हो।

गुजिया का शाही सफर- तुर्की से भारत तक की सांस्कृतिक विरासत

इसकी उत्पत्ति कहां हुई और यह होली से इतनी गहरी जुड़ी क्यों है?

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि स्वाद और मिठास का भी त्योहार है। लोग दिनभर पानी की होली खेलते हैं, गुलाल उड़ाते हैं और मस्ती करते हैं, वहीं शाम को परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर मिठाइयों का आनंद लिया जाता है। इन मिठाइयों में गुजिया का विशेष स्थान है। गुजिया का स्वाद हर किसी को भाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसकी उत्पत्ति कहां हुई और यह होली से इतनी गहरी जुड़ी क्यों है?

क्या हैं गुजिया का इतिहास?

कुछ लोगों का मानना है कि गुजिया की जड़ें प्राचीन भारत में हैं। संस्कृत ग्रंथों में 'करणिका' नामक एक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो सूखे मेवों से भरी और शहद से मीठी होती थी। यह आधुनिक गुजिया की पूर्वज हो सकती है। कुछ इतिहासकारों का कहना है कि गुजिया शायद लोकप्रिय भारतीय स्नैक समोसा का मीठा संस्करण हो, जिसे मध्य-पूर्व से व्यापारिक मार्गों के जरिए भारत लाया गया।

क्या कहते हैं इतिहासकार?

इतिहासकार संजय त्रिपाठी के अनुसार, गुजिया पुराने समय की मिठाई अंसे या एरसे का विशेष संस्करण हो सकता है। यह गेहूं के आटे और गुड़ से बनी तली हुई मिठाई थी, जिसे जैन समुदाय बनाता था। 1500 के दशक तक आते-आते, गुजिया ब्रज क्षेत्र, विशेषकर मथुरा और वृंदावन, में लोकप्रिय हो गई। यहां इसे इलायची और अन्य मसालों के साथ स्वादिष्ट बनाया जाता और भगवान कृष्ण को प्रसाद के रूप में अर्पित किया जाता।

वृंदावन के राधा रमन मंदिर में आज भी 500 साल से गुजिया और चंद्रकला मंदिर भोज का हिस्सा हैं।

तुर्की से गुजिया का कनेक्शन

कुछ विद्वान गुजिया और तुर्की की बाक्लावा में समानता देखकर मानते हैं कि गुजिया की रेसिपी परबाक्लावा का प्रभाव हो सकता है। व्यापारिक मार्गों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए यह विचार भारत आया और धीरे-धीरे बदलकर आज की गुजिया बन गई। समय के साथ, गुजिया होली के त्योहार से जुड़ गई।

होली के रंगों की तरह गुजिया के भीतर भी खवा, मेवे और मीठे फल भरे जाते हैं।

आधुनिक गुजिया में नारियल, चॉकलेट जैसे नए फ्लेवर भी शामिल किए जाते हैं, जो बच्चों और युवाओं में खास लोकप्रिय हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को करें फील

तो अगली बार जब आप होली पर गुजिया का स्वाद लें, तो इसके पीछे छुपी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को भी महसूस करें।

यह मिठाई केवल स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि हमारी परंपरा और संस्कृति का प्रतीक भी है। गुजिया का त्योहार और इसका महत्व, होली को और भी रंगीन और स्वादिष्ट बनाता है।

समानता

● होली के रंगों की तरह गुजिया के भीतर भी खवा, मेवे और मीठे फल भरे जाते हैं।

गोल्ड-सिल्वर मार्केट में उथल-पुथल, 3 मार्च के ताजा दाम जारी

करोबार/सिमरन मोरया/- ईरान के साथ बढ़ते युद्ध तनाव और मध्य पूर्व में अमेरिका-इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों के कारण वैश्विक बाजारों में सुरक्षित निवेश की मांग तेज हो गई है, जिससे सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल आया है। आज 3मार्च को सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तरों के करीब पहुंच गई हैं, जबकि चांदी में भी जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। पिछले कुछ दिनों में सोने में 8,000 से ज्यादा की बढ़ोतरी और चांदी में करीब 23,000 प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 1त्नसे ज्यादा चढ़कर 5,366 से 5,417 प्रति औंस के बीच कारोबार कर रहा है, जो हाल के रिकॉर्ड हाई के आसपास है। तो वहीं, चांदी भी 89-95 प्रति औंस के स्तर पर मजबूत दिख रही है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता ने निवेशकों को सोने-चांदी की ओर आकर्षित किया है, क्योंकि ये संपत्तियां युद्ध और मुद्रास्फीति के समय सुरक्षित मानी जाती हैं। भारतीय बाजार में MCX पर सोने के फ्यूचर्स अप्रैल 2026अनुबंध में 2-3त्न की तेजी देखी गई, जहां कीमत 1,66,000 से 1,67,000 प्रति 10 ग्राम के बीच पहुंच गई है। पिछले सत्र में सोना 1,66,199 पर बंद हुआ था, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में काफी ऊपर है। चांदी के फ्यूचर्स में भी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती है, जहां मार्च अनुबंध 2,80,000 से 2,85,000 प्रति किलोग्राम के आसपास ट्रेड कर रहा है।

सुरक्षित

● पिछले कुछ दिनों में सोने में 8,000 से ज्यादा की बढ़ोतरी और चांदी में करीब 23,000 प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

ख़ास ख़बर

नो गन, नो गैंग, द्वारका एटीएस ने गैंग सहयोगी को अवैध हथियारों सहित दबोचा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की द्वारका जिला एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए काला जठेड़ीङ्कओम प्रकाश उर्फ काला झरोड़िया गिरोह के एक सक्रिय सहयोगी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो अर्ध-स्वचालित देसी पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस का दावा है कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक संभावित टारगेट किलिंग की साजिश नाकाम कर दी गई।

गुप्त सूचना पर बिछाया जाल

21 फरवरी 2026 को एएटीएस टीम को विशेष खुफिया इनपुट प्राप्त हुआ कि गिरोह से जुड़ा एक युवक द्वारका इलाके में अवैध हथियारों के साथ घूम रहा है और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही पुलिस ने द्वारका नाला रोड, मेट्रो पिलर नंबर पी-9, हरि विहार के पास रणनीतिक घेराबंदी की। कुछ ही देर में संदिग्ध युवक को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो अत्याधुनिक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और पांच जीवित कारतूस बरामद हुए, जो पूरी तरह लोडेड अवस्था में थे।

आरोपी की पहचान और आपराधिक पृष्ठभूमि

गिरफ्तार युवक की पहचान मनीष उर्फ मिशु (19 वर्ष), निवासी झरोड़ा कलां, नई दिल्ली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वह पूर्व में भी शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार हो चुका है। जनवरी 2026 में भी उसे एक मामले में पकड़ा गया था।

पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि जेल में रहते हुए उसने गैंगस्टर ओम प्रकाश उर्फ काला झरोड़िया से दोबारा संपर्क स्थापित किया और गिरोह के लिए शूटर के तौर पर काम करने को तैयार हो गया।

सतत पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने लगभग 16-17 दिन पहले तीन पिस्तौल और करीब दस कारतूस खरीदे थे। इनमें से एक हथियार उसके हरियाणा के रोहतक निवासी साथी के पास है, जिसकी तलाश जारी है। जांच में यह भी सामने आया कि ये हथियार मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से अवैध रूप से मंगवाए गए थे। इस खुलासे के बाद पुलिस ने दिल्ली और मध्य प्रदेश के बीच सक्रिय अंतरराज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क की कड़ियों को खंगालना शुरू कर दिया है।

गुमशुदगी से हत्या तक- द्वारका पुलिस ने सुलझाई सनसनीखेज वारदात

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके में दर्ज एक गुमशुदगी की शिकायत ने कुछ ही दिनों में दिल दहला देने वाली हत्या की गुत्थी का रूप ले लिया। दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल, द्वारका जिला और स्थानीय थाना टीम की सतर्कता व तकनीकी जांच के चलते इस अंधी हत्या का पर्दाफाश हुआ। मामले में मृतक के करीबी परिचित ने ही लालच और धन की हवस में अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

23 फरवरी को दर्ज हुई गुमशुदगी

23 फरवरी 2026 को थाना पुलिस थाना द्वारका नॉर्थ में एक व्यक्ति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनका भाई अनूप गुप्ता, जो द्वारका सेक्टर-13 स्थित छत्तीसगढ़ सदन की कैंटीन चलाता था, 18 फरवरी से लापता हुआ। उसकी सफेद रंग की किआ सेल्टोस कार भी गायब थी। परिजनों ने किसी तरह की दुश्मनी या विवाद से इनकार किया था।

सीसीटीवी और तकनीकी विश्लेषण से खुली परतें

मामले की गंभीरता को देखते हुए द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से वाहन की जानकारी जुटाई गई, जिससे पता चला कि कार 19-20 फरवरी की रात यमुना एक्सप्रेसवे पर देखी गई थी। टोल प्लाजा और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में कार को वृंदावन की ओर जाते और कुछ घंटों बाद वापस लौटते देखा गया।

मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण से एक रैपिडो चालक तक पुलिस पहुंची, जिसने बताया कि उसने अनूप को मटियाला एक्सटेंशन स्थित एक मकान पर छोड़ा था। आसपास के कैमरों में अनूप को इमारत में प्रवेश करते देखा गया, लेकिन वह बाहर निकलता नहीं दिखा। कुछ अन्य संदिग्ध लोगों की गतिविधियां भी रिकॉर्ड हुईं।

जांच में सामने आया कि हैप्पी उर्फ सूरज नामक युवक ने पहले अनूप से दोस्ती की और उसके सोने के आभूषणों व पारिवारिक अलगाव की जानकारी हासिल की।

प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह, आपसी रंजिश में युवक की जान गई

हरियाणा/सिमरन मोरया/- हरियाणा के यमुनानगर में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां श्मशान घाट के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शुरुआती जांच में यह मामला हत्या का निकला, और अब पुलिस ने इस हत्याकांड का चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिसकी वजह प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश बताई जा रही है।

थाना सदर क्षेत्र के बाड़ी माजरा स्थित तीर्थ नगर टपरी में श्मशान घाट के पास एक युवक का शव मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। युवक के शरीर पर बने टैटू-बाएं हाथ पर ÷स÷, दाहिनी बाजू पर ÷राजीव÷ और छाती पर ÷स्हश्च॥-से उसकी पहचान हुई। मृतक की पहचान राजीव निवासी शंकरपुरी कॉलोनी, जगाधरी के रूप में हुई, जो 27 फरवरी से लापता था। गले पर रस्सी से घोंटने के निशान मिलने से मामला हत्या का सामने आया।

हत्या के बाद श्मशान घाट के पास फेंका शव

जांच में सामने आया कि यह मामला प्रेम त्रिकोण से जुड़ा है। मृतक राजीव की एक महिला मित्र थी, जिसकी पहले दोस्ती उसके पड़ोसी अमित से थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद रहता था। 27 फरवरी को महिला ने राजीव को घूमने के बहाने रणजीतपुर के पास आदिबद्री ले गई। पहले से तय योजना के तहत अमित वहां पहुंचा और बाद में राजीव को अपने साथ सुनसान इलाके में ले गया। आरोप है कि अमित ने राजीव को नशीला पदार्थ पिलाकर रस्सी से गला घोंट दिया और पहचान छिपाने के लिए मुंह में कपड़ा ठूंस दिया।

रंगों के साथ करें ये धार्मिक उपाय, घर आएंगी खुशियां

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- होली केवल रंगों का त्योहार और उत्साह का ही नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का भी पर्व है। होली पर अगर आप चाहते हैं कि पूरा साल सुख-समृद्धि से भरा रहे, तो होली की सुबह कुछ खास धार्मिक परंपराओं का पालन करना बेहद शुभ माना जाता है। होली के दिन भगवान की पूजा और उन्हें गुलाल अर्पित करके करनी चाहिए। पौराणिक कथाओं के अनुसार,ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा के साथ-साथ सुख-शांति बनी रहती है।

होली की सुबह सबसे पहले क्या करें?

होली के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और घर के मंदिर में साफ-सफाई करें। इसके बाद भगवान को अबीर-गुलाल अर्पित करें। माना जाता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। किस भगवान को किस रंग का गुलाल चढ़ाएं?

भगवान श्रीकृष्णङ्क गुलाबी या लाल गुलाल चढ़ाएं।

मान्यता है कि इससे प्रेम और सौहार्द बढ़ता है।

भगवान विष्णुङ्क पीला गुलाल अर्पित करें।

पीला रंग समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक माना जाता है।

भगवान शिवङ्क नीला या भस्म मिश्रित गुलाल चढ़ाएं।

यह रंग शक्ति और संतुलन का प्रतीक है।

हनुमान जीङ्क नारंगी या केसरिया रंग चढ़ाएं।

इससे साहस और ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

मां लक्ष्मीङ्क हरा या गुलाबी गुलाल अर्पित करें।

हरा रंग खुशहाली और धन का प्रतीक माना जाता है।

रंगों का आध्यात्मिक महत्व

होली के रंग केवल बाहरी उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में नई शुरुआत और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते हैं।

डिजिटल | हज़ारों कैमरे हैक करके मिली खामेनेई की लोकेशन

तेहरान पर टेक्नोलॉजी की नजर! हर मूवमेंट पर रखी जा रही थी निगाह!

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- इजरायल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या से पहले कई सालों तक तेहरान को डिजिटल मैप की तरह पढ़ा था। ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स की एक विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली खुफिया एजेंसियों ने तेहरान के लगभग सभी ट्रैफिक कैमरों को हैक कर लिया था। इन कैमरों की फुटेज को एन्क्रिप्ट करके तेल अवीव और दक्षिणी इजरायल के सर्वरों पर भेजा जाता था, जिससे खामेनेई और उनकी सुरक्षा टीम की रोजमर्रा की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी।

रिपोर्ट में दो सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह साइबर ऑपरेशन सालों पुराना था। तेहरान के पाश्चर स्ट्रीट के पास स्थित खामेनेई के कंपाउंड के निकट एक विशेष ट्रैफिक कैमरा इतने सटीक एंगल में था कि इससे बॉडीगार्ड्स और ड्राइवरों की पार्किंग, आने-जाने का समय और उनके साथ आने वाले वाहनों की जानकारी मिलती थी। इजरायल ने इस डेटा का इस्तेमाल पैटर्न-ऑफ-लाइफ एनालिसिस के लिए किया, यानी खामेनेई की दिनचर्या, मीटिंग्स और सुरक्षा प्रोटोकॉल को समझने के लिए। इसके अलावा, मोबाइल फोन नेटवर्क में भी सेंध लगाई गई थी, जिससे सिग्नल इंटेलिजेंस के जरिए लोकेशन ट्रैकिंग संभव हुई।

हज़ारों कैमरे हैक करके मिली खामेनेई की लोकेशन

28 फरवरी 2026 को इजरायल और अमेरिका की संयुक्त एयर स्ट्राइक में खामेनेई की मौत हो गई थी, जब वे तेहरान के एक कंपाउंड में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में थे। रिपोर्ट के मुताबिक, हैक किए गए कैमरों और अन्य इंटेलिजेंस स्रोतों (जिसमें सीआईए की मदद भी शामिल थी) से मिली रीयल-टाइम जानकारी ने हमले का समय और लक्ष्य इतना सटीक बनाया कि ऑपरेशन महज 60सेकंड में पूरा हो गया। इजरायली सूत्रों ने दावा किया कि तेहरान की सड़कों, इंटरनेट और फोन सिस्टम पर इतनी गहरी निगरानी थी कि हम तेहरान को यरूशलेम की तरह जानते थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इजरायल ने मोबाइल एंटेना जाम करने और अन्य साइबर टूल्स का भी इस्तेमाल किया, जिससे ईरान को जवाबी कार्रवाई में देरी हुई। ईरान की ओर से अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है, लेकिन युद्ध के बीच साइबर हमलों की लहर जारी है, जिसमें ईरानी ऐप्स और वेबसाइट्स पर हैकिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, तीन चोरी की स्कूटी बरामद

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए Delhi Police के द्वारका जिले के थाना द्वारका साउथ की टीम ने एक सक्रिय वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी की स्कूटी बरामद की गई हैं। इस गिरफ्तारी के साथ मोटर वाहन चोरी के तीन मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी तीन आपराधिक मामलों में संलिप्त रह चुका है।

सेक्टर-11 से स्कूटी चोरी, मामला दर्ज

5 फरवरी 2026 को सेक्टर-11, द्वारका क्षेत्र से एक स्कूटी चोरी होने की सूचना मिली। पीड़ित की शिकायत पर थाना द्वारका साउथ में संबंधित धाराओं के तहत ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए और आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की।

70 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच

थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने आसपास के क्षेत्रों में लगे 70 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की। साथ ही स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और तकनीकी व मैनुअल इनपुट के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने के प्रयास तेज किए गए।

डीडीए पार्क के पास बिछाया जाल

22 फरवरी 2026 की शाम लगभग 7 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि संदिग्ध वाहन चोर सेक्टर-9 स्थित डीडीए पार्क के पास आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर जाल बिछाया।

इसी दौरान एक व्यक्ति स्कूटी पर सवार होकर मुख्य सड़क से पार्क की ओर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह स्कूटी छोड़कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया।

तीन चोरी की स्कूटी बरामद

गिरफ्तार

● इसी दौरान एक व्यक्ति स्कूटी पर सवार होकर मुख्य सड़क से पार्क की ओर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह स्कूटी छोड़कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया।

जांच में पता चला कि मौके से बरामद स्कूटी वही थी, जिसकी चोरी की रिपोर्ट 5 फरवरी को दर्ज की गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपी ने सेक्टर-11 से स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार कर ली।

आगे की पूछताछ में दो और चोरी की स्कूटियों का सुराग मिला, जिन्हें बाद में बरामद कर लिया गया। ये स्कूटियां सेक्टर-12 और सेक्टर-13 द्वारका क्षेत्र से चोरी की गई थीं और संबंधित थानों में मामले दर्ज थे।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनू (36 वर्ष) निवासी पालम, दिल्ली के रूप में हुई है। वह बेरोजगार है और पहले भी वाहन चोरी से जुड़े मामलों में शामिल रह चुका है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ द्वारका साउथ और द्वारका नॉर्थ थानों में पूर्व में भी मामले दर्ज हैं।

तीन मामलों का खुलासा

इस गिरफ्तारी के बाद कुल तीन मोटर वाहन चोरी के मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। पुलिस ने बरामद की गई तीनों स्कूटियों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी और अभियान जारी रहेंगे।

द्वारका जिले की एंटी-बर्गलरी सेल ने तीन शातिर चोर दबोचे

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के द्वारका उपमंडल में लगातार हो रही दिन के समय घरों में चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए की एंटी-बर्गलरी सेल, द्वारका जिला ने विशेष अभियान चलाकर तीन सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजीव (39 वर्ष), विशाल उर्फ चपटा (22 वर्ष) और अमन कुमार (27 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल, रसोई के बर्तन, एक गैस सिलेंडर और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से पहचान

जांच के दौरान पुलिस ने अत्याधुनिक फेसियल रिकग्निशन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया, जिसकी सहायता से एक आरोपी की स्पष्ट तस्वीर के आधार पर उसकी पहचान की गई। यह तकनीक सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के दौरान निर्णायक साबित हुई। इसके बाद मैनुअल और तकनीकी निगरानी के जरिए टीम ने संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी और छापेमारी कर उन्हें दबोच लिया।

तीन बड़ी घटनाओं से खुली गुत्थी

उत्तम नगर और आसपास के इलाकों में फरवरी माह के दौरान दिनदहाड़े कई घरों में चोरी की शिकायतें दर्ज हुई थीं।

पहली घटना में महारानी एन्क्लेव, हस्तसाल निवासी एक महिला के घर से नकदी, सोने के झुमके और पहचान पत्र चोरी हुए।

दूसरी वारदात में विद्याविहार क्षेत्र के एक मकान से सोने की नथ और झुमके गायब पाए गए, जब परिवार राजस्थान गया हुआ था।

तीसरे मामले में नवादा गांव स्थित घर से गैस सिलेंडर, घरेलू सामान, कपड़े और सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए।

इन तीनों घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज की जांच में एक ही तीन संदिग्ध अलग-अलग स्थानों के आसपास दिखाई दिए।

अंबेडकर पार्क से गिरफ्तारी

लगातार निगरानी के बाद 24 फरवरी 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी अमन कुमार अंबेडकर पार्क, उत्तम नगर में अपने साथियों के साथ आने वाला है। टीम ने जाल बिछाकर तीनों को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। तलाशी में चोरी का सामान बरामद हुआ।

पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अमन पूर्व में भी घर में चोरी के मामलों में शामिल रहा है। राजीव दिल्ली में होमगार्ड के रूप में कार्यरत है, जबकि अन्य आरोपी दिहाड़ी मजदूर हैं। पुलिस के अनुसार तीनों नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

आरोपियों ने विकासपुरी क्षेत्र के एक सुनार के पास दो जोड़ी सोने के झुमके, दो अंगूठियां और एक नथ गिरवी रखने की बात भी स्वीकार की है।

14 मामलों का हुआ खुलासा

इनकी गिरफ्तारी के बाद द्वारका, उत्तम नगर, नजफगढ़, डाबरी और बिंदापुर थानों में दर्ज कुल 14 चोरी के मामलों का समाधान हुआ है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है और अन्य संभावित वारदातों की जांच की जा रही है। द्वारका जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक वारदात स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। एक सप्ताह तक लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद एक आरोपी की स्पष्ट तस्वीर मिली, जिसने पूरे मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

अमित शाह ने तुष्टिकरण और कर्ज को लेकर राज्य सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में आयोजित जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सत्तारूढ़ दल पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति से किसी भी राज्य का समग्र विकास संभव नहीं है। अपने संबोधन में उन्होंने दावा किया कि राज्य पर लगभग आठ लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, जो वित्तीय प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

तृणमूल सरकार की नीतियों पर सवाल

रैली में उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर विकास की अनदेखी का आरोप लगाया। उनका कहना था कि मौजूदा प्रशासनिक नीतियों के कारण राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने मदरसों को दी जा रही आर्थिक सहायता और अन्य योजनाओं की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए।

परिवारवाद और नेतृत्व पर टिप्पणी

गृह मंत्री ने विपक्षी दलों की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए विभिन्न राज्यों में परिवारवाद के मुद्दे को उठाया। उन्होंने संकेत दिया कि यदि वर्तमान सरकार दोबारा सत्ता में आती है तो निर्णय लेने की प्रक्रिया कुछ सीमित व्यक्तियों तक सिमट सकती है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्य के नेतृत्व और प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर आरोप लगाए।

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में प्रशासनिक सुधार और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद अवैध घुसपैठ पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रखा गया। उनका दावा था कि यदि उनकी पार्टी को अवसर मिला तो सीमाई सुरक्षा को सख्ती से लागू किया जाएगा।

कर्मचारियों और शरणार्थियों को आश्वासन

रैली में उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के अनुरूप वेतन देने का वादा दोहराया। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी वैध शरणार्थी के अधिकारों की रक्षा की जाएगी। उनके अनुसार राज्य में सुशासन और पारदर्शिता लाने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रैली आगामी चुनावों से पहले बंगाल की राजनीति में नई बहस को जन्म दे सकती है।

ख़ास ख़बर

पश्चिम एशिया में बढ़ा टकराव- भारत ने कनाडा से की चर्चा

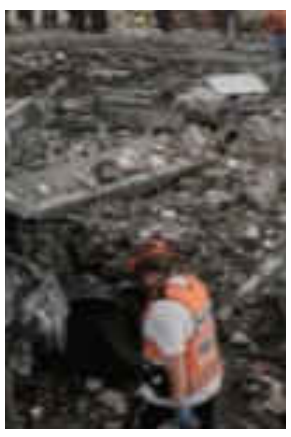

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त कार्रवाई के बाद ईरान ने जवाबी हमले तेज कर दिए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। बदलते हालात के बीच भारत ने स्थिति को लेकर कनाडा के साथ उच्चस्तरीय चर्चा की है। वहीं अमेरिका ने स्वीकार किया है कि कुवैत में सैन्य अभियान के दौरान उसके तीन एफ-15 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता और कूटनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

तेहरान में धमाके, कई देशों में अलर्ट

ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई शहरों में लगातार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से आम नागरिकों में दहशत का माहौल है। कतर, ओमान, जॉर्डन और सऊदी अरब जैसे देशों ने भी सुरक्षा उपाय कड़े कर दिए हैं। जॉर्डन ने एहतियातन अपने हवाई क्षेत्र को आंशिक रूप से बंद कर दिया है।

कतर और ओमान में हमलों की खबर

कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए गए, हालांकि किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर पर विस्फोटक नाव से हमला हुआ, जिसमें एक चालक दल सदस्य की मौत हो गई। शेष कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। समुद्री मार्गों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इस्राइल ने गैस परियोजना रोकी, ऊर्जा बाजार में हलचल

इस्राइल के निर्देश पर भूमध्य सागर स्थित लेवियाथन गैस क्षेत्र का उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यह परियोजना मिस्र सहित कई देशों को गैस निर्यात से जुड़ी है। ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित असर को देखते हुए वैश्विक बाजार में हलचल देखी जा रही है।

अमेरिका ने पुष्टि की है कि कुवैत में सक्रिय सैन्य अभियान के दौरान 'फ्रेंडली फायर' की घटना में उसके तीन एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान गिर गए। बताया गया कि उस समय मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा था, जिसके बीच एयर डिफेंस सिस्टम से चूक हुई।

पेंशन बहाली को लेकर पूर्व अर्धसैनिक सक्रिय, संसदीय समिति के चेयरमैन को दिया ज्ञापन

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- अलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन महासचिव रणबीर सिंह के नेतृत्व में 6 सदस्यीय पूर्व अर्धसैनिकों के प्रतिनिधि मंडल द्वारा माननीय सांसद श्री राधामोहन दास अग्रवाल जो कि पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी होम चेयरमैन भी हैं सर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया साथ ही पैरामिलेट्री गुलदस्ता भेंट किया। पूर्व डीआईजी बीएसएफ श्री गजेन्द्र चौधरी द्वारा सीएपीएफ के 13 हजार कैडर अधिकारियों के ऑर्गेनाइज्ड ग्रुप ए सर्विस दर्जा देने की ज़ोरदार मांग की। श्री चौधरी के कहे अनुसार दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को जब सरकार ओजीएएस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट रिव्यू पेटीशन में भी हार गई तो जजमेंट को लागू करने में टालमटोल आनाकानी क्यों? हम उन केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों, अधिकारियों के लिए समयबद्ध पदोन्नति व वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड की मांग कर रहे हैं

जो नक्सल प्रभावित इलाकों में बिना आराम किए दिन रात ऑपरेशन कर रहे हैं साथ ही बॉर्डर की सुरक्षा के अलावा राज्यों की कानून व्यवस्था बनाए रखने, संसद भवन, एयरपोर्ट्स बंदरगाहों, मेट्रो व औद्योगिक संस्थानों को चाक चौबंद सुरक्षित रखे हुए हैं। महासचिव रणबीर सिंह ने जवानों के लिए पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा उठाया कि 40 साल देस सेवा करने के बाद बदले में एनपीएस के तहत 13 हजार पेंशन मिलेगी तो बुढ़ापा कैसे कटेगा। माननीय दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा 11 जनवरी 2023 को सुनाए गए ।

एक ही दिन चार शहरों में बीआरजी धावकों की दमदार मौजूदगी

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- रविवार को आयोजित ट्रेल-ए-थॉन दौड़ में धावकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्राकृतिक मार्गों और चुनौतीपूर्ण पगडंडियों पर आयोजित इस स्पर्धा में विभिन्न आयु वर्ग के सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कठिन रास्तों को पार करते हुए खिलाड़ियों ने अपनी सहनशक्ति और फिटनेस का शानदार परिचय दिया। आदिया ने 14 किलोमीटर ट्रेल दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि नीरज छिल्लर ने 28 किलोमीटर वर्ग में पांचवां स्थान हासिल कर समूह को गौरवान्वित किया। इस आयोजन में बीआरजी समूह से जुड़े अनेक धावकों ने भाग लेकर सामूहिक एकजुटता का परिचय दिया। अलग-अलग आयु वर्ग और दूरी की श्रेणियों में प्रतिभागियों ने अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित किया कि समूह निरंतर फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा दे रहा है।

चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भी शानदार उपस्थिति

इसी दिन चंडीगढ़ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भी बीआरजी धावकों ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। अर्धमैराथन और पूर्ण मैराथन सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने दौड़ पूरी की। 21.0975 किलोमीटर और 42.195 किलोमीटर जैसी लंबी दूरी की स्पर्धाओं में सफल समापन खिलाड़ियों की तैयारी और समर्पण को दर्शाता है। अंबाला में आयोजित मैराथन में भी समूह के सदस्यों ने भाग लेकर अपनी सक्रियता दिखाई। वहीं नोएडा में आयोजित 'ग्रुप 108 रन' में धावकों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। शलभ ने 10 किलोमीटर दौड़ में अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव पर प्रधानमंत्री की अपील

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिमी एशिया में जारी अस्थिरता के बीच नरेंद्र मोदी ने मौजूदा परिस्थितियों को गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार के टकराव से स्थिति और बिगड़ सकती है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतते हुए बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत सदैव शांति, स्थिरता और कूटनीतिक प्रयासों का समर्थक रहा है।

सैन्य टकराव से वैश्विक असर की आशंका

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में यह भी संकेत दिया कि यदि क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संतुलन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संवाद की प्रक्रिया ही दीर्घकालिक शांति का आधार बन सकती है और यही मार्ग सभी के हित में है।

विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा पर जोर

प्रधानमंत्री ने विदेशों में निवास कर रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार हालात पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक कदम उठाने के लिए तैयार है। साथ ही यह भी कहा कि भारत विभिन्न देशों के साथ संपर्क में है ताकि किसी भी आपात स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। **कनाडा के साथ परमाणु सहयोग पर चर्चा**

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच यूरेनियम आपूर्ति और नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण सहमति बनी है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के क्षेत्र में संयुक्त कार्य की दिशा में भी प्रगति की बात सामने आई है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिल सकती है।

प्रधानमंत्री के बयान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर संतुलित और जिम्मेदार रुख के रूप में देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि भारत की यह अपील क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। आने वाले दिनों में वैश्विक कूटनीति की दिशा और भी स्पष्ट हो सकती है।

हड़कंप | सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक लुढ़का

पश्चिम एशिया संकट की गूंज से दलाल स्ट्रीट में हड़कंप

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर सोमवार को भारतीय पूंजी बाजार पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन निवेशकों में घबराहट का माहौल रहा, जिसके चलते प्रमुख सूचकांक तेज गिरावट के साथ बंद हुए। 30 कंपनियों पर आधारित BSE Sense& 1048.34 अंक फिसलकर 80,238.85 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला 4 312.95 अंक टूटकर 24,865.70 पर आ गया। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहा और शुरुआती घंटों में गिरावट और भी गहरी थी।

कारोबार की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव हावी हो गया। सेंसेक्स एक समय 2,700 अंकों से ज्यादा नीचे चला गया था। हालांकि निचले स्तरों पर कुछ खरीदारी लौटी, जिससे अंत में नुकसान कुछ कम हुआ। निफ्टी भी दिन के दौरान 575 अंकों तक गिर गया था। वैश्विक संकेत कमजोर रहे और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा।

विदेशी पूंजी बहिर्वाह और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण भारतीय मुद्रा पर भी दबाव दिखा। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 42 पैसे गिरकर 91.50 के आसपास बंद हुआ। मुद्रा बाजार में यह कमजोरी आयात लागत बढ़ने की आशंका को दर्शाती है।

किन शेयरों में ज्यादा गिरावट

सेंसेक्स समूह की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, अदानी पोर्ट्स, मारुति, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व जैसे शेयरों में प्रमुख गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा और आईटीसी जैसे कुछ चुनिंदा शेयर हरे निशान में बंद हुए, जिससे व्यापक गिरावट के बीच सीमित सहारा मिला।

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

बाजार विश्लेषक अजय बग्गा का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में निवेशक सुरक्षित विकल्प तलाश रहे हैं। उनके अनुसार ईरान-अमेरिका तनाव का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। यदि होरमुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होती है तो तेल महंगा होगा, जिससे भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर महंगाई और चालू खाता घाटे का दबाव बढ़ेगा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने भी कहा कि तेल कीमतों में तेजी और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है। इससे ऊर्जा और रसायन आधारित उद्योगों के लाभांश पर असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि बाजार में अस्थिरता सूचकांक में हल्की वृद्धि निवेशकों की बढ़ती सतर्कता का संकेत है।

वैश्विक बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। जापान का निक्केई सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक गिरा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग दो प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार पिछला सत्र नुकसान के साथ बंद हुए थे, जिसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 8 प्रतिशत बढ़कर 78.95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। तेल कीमतों में यह तेजी निवेशकों की चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने हालिया सत्र में हजारों करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू निवेशकों ने खरीदारी कर कुछ संतुलन बनाने की कोशिश की।

12 घंटे में बड़ी कामयाबी- द्वारका साउथ थाना पुलिस ने तीन चोर दबोचे -दो लाख से अधिक का माल बरामद

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल करते हुए छ्दद्मद्धद्ध क्ष्द्यद्धष्द्ध के द्वारका जिले के थाना द्वारका साउथ की टीम ने महज़ 12 घंटे के भीतर एक बड़ी वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार/काबू किया है, जिनमें एक कुख्यात बदमाश और दो विधि से संघर्षरत किशोर (सीसीएल) शामिल हैं। आरोपियों के पास से करीब दो लाख रुपये से अधिक मूल्य की तांबे की तारें और एलपीजी गैस फिटिंग से जुड़े पीतल के वाल्व व अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

कार्यालय का ग्रिल तोड़कर की गई चोरी

14 फरवरी 2026 को थाना द्वारका साउथ में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें एक कार्यालय के स्टोर से तांबे की तारें और गैस फिटिंग सामग्री चोरी होने की सूचना दी गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने लोहे की जाली तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच

थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

लगातार प्रयासों के बाद गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध बागडोला गांव क्षेत्र में छिपा हुआ है। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सेक्टर-8 द्वारका के एक पार्क से तीनों आरोपियों को धर दबोचा।

गैंग लीडर निकला पुराना बदमाश

गिरफ्तार मुख्य आरोपी की पहचान रोहित उर्फ टमाटर (23 वर्ष) निवासी पालम कॉलोनी के रूप में हुई है। वह थाना पालम विलेज का घोषित बदमाश (बीसी) है और उसके खिलाफ चोरी, सेंधमारी, झपटमारी, लूट और शस्त्र अधिनियम समेत 20 से अधिक मामले दर्ज हैं।

दो अन्य आरोपियों को किशोर होने के कारण विधिक प्रक्रिया के तहत काबू किया गया। मौके पर किशोर न्याय अधिकारी को बुलाया गया।

पूछताछ

- गिरफ्तार मुख्य आरोपी की पहचान रोहित उर्फ टमाटर (23 वर्ष) निवासी पालम कॉलोनी के रूप में हुई है। वह थाना पालम विलेज का घोषित बदमाश (बीसी) है और उसके खिलाफ चोरी, सेंधमारी, झपटमारी, लूट और शस्त्र अधिनियम समेत 20 से अधिक मामले दर्ज हैं।

नशे की लत के लिए रची साजिश

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए धन जुटाने हेतु चोरी की योजना बनाई। चूंकि वे आसपास के इलाके में रहते थे, इसलिए उन्हें कार्यालय और वहां रखे सामान की जानकारी थी। 13-14 फरवरी की रात उन्होंने जाली तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तांबे-पीतल के तार व फिटिंग सामग्री चुरा ली।

8 मामलों का हुआ खुलासा

गिरफ्तारी के बाद थाना द्वारका साउथ में दर्ज कुल आठ चोरी और सेंधमारी के मामलों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9 किलोग्राम तांबे की तार और 229 एलपीजी गैस फिटिंग उपकरण बरामद किए हैं। शिकायतकर्ता ने बरामद सामान की पहचान कर ली है।

पुलिस टीम की सराहनीय तत्परता

द्वारका जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई इस त्वरित कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। तकनीकी जांच, सीसीटीवी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र के प्रभावी उपयोग से यह मामला कम समय में सुलझाया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर सख्ती जारी रहेगी।

नैरेटिव डिप्लोमेसी' पर वैश्विक मंथन के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

गुरुग्राम/उमा सक्सेना/- गुरुग्राम स्थित श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय (एसजीटीयू) में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ÷चेंजिंग डायमेंशन्स ऑफ इंडिया'ज नैरेटिव डिप्लोमेसी का प्रभावशाली समापन हुआ। इस सम्मेलन में सात देशों तथा भारत के 22 राज्यों से आए विद्वानों, कूटनीतिज्ञों और नीति-विशेषज्ञों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कथानक-आधारित कूटनीति पर गहन विमर्श किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माण से जुड़े संगठनों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई।

यह आयोजन विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स द्वारा भारतीय विश्व मामलों की परिषद के सहयोग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रायोजन में संपन्न हुआ। दो दिनों तक चले इस शैक्षणिक संवाद में यह स्पष्ट किया गया कि भारत की वैश्विक भूमिका

अब केवल पारंपरिक शक्ति-संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि धारणा-निर्माण, सांस्कृतिक प्रभाव और रणनीतिक संप्रेषण के माध्यम से भी सशक्त हो रही है।

उद्घाटन सत्र- पारंपरिक कूटनीति से 'बहु-सत्य' की ओर

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नंदिनी बसिष्ठा ने स्वागत संबोधन में कहा कि आज की कूटनीति केवल औपचारिक संवाद तक सीमित नहीं रही, बल्कि भोजन परंपराओं, प्रवासी समुदायों और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों के जरिए बहु-आयामी रूप ले चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा ने अपने उद्बोधन में समकालीन भू-राजनीतिक परिस्थितियों में भारत की नैरेटिव कूटनीति की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्रों में विविध आयामों पर शोध प्रस्तुत सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। प्रथम सत्र इंडिया'ज नैरेटिव डिप्लोमेसी- थ्योरी एंड प्रैक्सिस में 19 शोधपत्रों के माध्यम से धर्म, सतत विकास और संवैधानिक नैतिकता को भारत की सॉफ्ट पावर के प्रमुख आधार के रूप में रेखांकित किया गया। द्वितीय सत्र में विभिन्न देशों की नैरेटिव रणनीतियों और उनकी नैतिक संरचनाओं की तुलनात्मक समीक्षा की गई।

तृतीय सत्र में बॉलीवुड को भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रभावी माध्यम बताते हुए उसकी वैश्विक छवि पर चर्चा हुई। चतुर्थ सत्र में बौद्ध कूटनीति, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरणीय सॉफ्ट पावर और कौटिल्य के रणनीतिक विचारों को समकालीन संदर्भों से जोड़ा गया। दूसरे दिन आयोजित पैनल चर्चा चेंजिंग डायमेंशन्स ऑफ इंडिया'ज नैरेटिव डिप्लोमेसी में प्रो. एस. डी. मुनी, लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) जे. एस. सोढ़ी, डॉ. संपा कुंडू, प्रो. रामदास रुपावत, प्रो. (डॉ.) अलका पारिख, प्रो. सरोज कुमार वर्मा, डॉ. रवि रमेशचंद्र शुक्ल और डॉ. गिरिशंकर एस. बी. नायर ने वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक, सांस्कृतिक और डिजिटल कूटनीति पर अपने विचार रखे। सत्र का संचालन डॉ. अमित के सुमन ने किया।

सम्मेलन

- इस सम्मेलन में सात देशों तथा भारत के 22 राज्यों से आए विद्वानों, कूटनीतिज्ञों और नीति-विशेषज्ञों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कथानक-आधारित कूटनीति पर गहन विमर्श किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माण से जुड़े संगठनों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई।

खामेनेई के निधन के बाद ईरान की बागडोर- इन नेताओं पर हैं सबसे बड़े दावेदारों की नजरें

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- अमेरिका और इजरायल के साझा हमले में ईरान की सुप्रीम खामेनेई की मौत हो चुकी है। उनकी मौत के बाद 40 दिनों के शोक का ऐलान किया गया है। अब सवाल ये भी उठने लगे हैं कि खामेनेई के बाद ईरानी सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

दरअसल, ईरान के संविधान के तहत 88वरिष्ठ इस्लामी समूहों विद्वानों की एक शक्तिशाली धार्मिक संस्था, विशेषज्ञ की सभा में ईरान के सुप्रीम लीडर का नाम तय होता है। इस समूह के सदस्यों को एक अन्य शक्तशाली निकाय, गार्जियन काउंसिल द्वारा चुना जाना आवश्यक है।

कौन बन सकता है ईरान का सुप्रीम लीडर

दरअसल, खामेनेई की मौत के बाद अभी तक अगले उत्तराधिकारी के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि, इसी बीच कई नामों की चर्चा होने लगी है। जिसमें हुज्जत-उल-इस्लाम मोहसेन कोमी,अयातुल्ला मोहसेन अराकी,आयतुल्लाह अलीरेजा अराफी,आयतुल्लाह हाशेम हुसैनी बुशेहरी,अयातुल्ला गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई के नाम शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन्हीं में से किसी

एक को खामेनेई का उत्तराधिकारी बनाया जा सकता है। हालांकि, ईरान के सुप्रीम लीडर के नाम का ऐलान सामूहिक फैसले में किया जाएगा।

अमेरिका-ईरान में क्या बढ़ा तनाव

दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव का कारण कोई नया है। परमाणु संवर्धन के मुद्दे पर दोनों देश आमने-सामने है। अमेरिका ने ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह रोकने का कह रहा है। जबकी ईरान अपना परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह रोकने के लिए तैयार नहीं है।

परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच कई वार्ताएं भी हुई लेकिन बात बनी नही। जिसके बाद 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने साझा ऑपरेशन चलाकर ईरान पर हमला किया। इससे पहले पिछले साल भी अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था।

खास ख़बर

2018 से फरार उद्घोषित अपराधी कोर्ट परिसर से गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली पुलिस की द्वारका जिला पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम उठाया है। थाना थाना द्वारका साउथ के अंतर्गत पुलिस पोस्ट सेक्टर-10 की टीम ने वर्ष 2018 से वांछित आरोपी मुश्ताक पुत्र हारून को दबोच लिया। आरोपी अदालत में लंबित मामले की सुनवाई से बचता फिर रहा था और उसे पहले ही माननीय न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किया जा चुका था।

विशेष टीम का गठन और सख्त निर्देश

द्वारका जिला के डीसीपी के निर्देश पर सभी एसीपी, एसएचओ और चौकी प्रभारियों को फरार व उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए समर्पित टीमें गठित करने के आदेश दिए गए थे। इसी क्रम में सेक्टर-10 द्वारका के चौकी प्रभारी एसआई रजत मलिक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम में एएसआई संजीव कुमार, एएसआई मुल्क राज और हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार कुलदीप शामिल थे। पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह की देखरेख तथा एसीपी द्वारका किशोर कुमार रेवाला के मार्गदर्शन में संचालित की गई।

तकनीकी निगरानी और सतर्कता से गिरफ्तारी

पुलिस टीम ने मैनुअल इनपुट और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी। गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि आरोपी अपने मामले की प्रगति जानने के लिए अदालत परिसर आ सकता है। इस आशंका के मद्देनजर संबंधित नायब कोर्ट को भी सतर्क किया गया। जैसे ही मुश्ताक अदालत पहुंचा, तत्काल पुलिस टीम को सूचना दी गई और मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया गया।

आरोपी के खिलाफ थाना द्वारका साउथ में दर्ज एफआईआर संख्या 336/2018 में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 174-ए और 34 के तहत मामला दर्ज है। जांच में सामने आया था कि आरोपी ने मोबाइल फ्रॉड के जरिए पीड़ित से संबंधी जानकारी हासिल कर करीब 25,998 रुपये की ठगी की थी। अदालत में पेश न होने के कारण उसे 4 दिसंबर 2023 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस का कहना है कि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी से न्याय प्रणाली को मजबूती मिलती है और कानून का पालन सुनिश्चित होता है। आरोपी को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

पटाखा फैक्ट्री हादसा- धमाके से दहला आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश/सिमरन मोरया/- आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका हुआ है। विस्फोट इतना जोरदार था कि हादसे में 7लोगों की जान चली गई। जबकि 17लोग घायल बताए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश के गृह मंत्री अनीता ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने घटना में प्रभावित होने वालों की संख्या बढ़ने की बात कही।

स्थानीय लोगों के अनुसार दोपहर करीब 2बजे धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और विस्फोट में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया। यह धमाका उस वक्त हुआ जब बड़े पैमान पर मजदूर पटाखा बना रहे थे।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग तेजी से फैलने के कारण जोरदार धमाका हुआ। धमाके के समय पटाखा फैक्ट्री के अंदर लोग मौजूद थे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस धमाका होने के कारणों की जांच कर रही है।

सीएम नायडू ने क्या कहा

घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा कि काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके की खबर विचलित करने वाली है। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है।

महंगाई का तगड़ा झटका- एलपीजी और एटीएफ दोनों महंगे

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- फरवरी का महीना समाप्त हो चुका है। साथ ही मार्च का आगमन हो चुका है। पहली तारीख यानी एक मार्च से बड़े बदलाव हुए हैं। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में इजाफा हुआ है, वहीं, एटीएफ के दाम भी बढ़ गए हैं। हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां एलपीजी गैस सिलेंडर की किमतों में बदलाव करती है और एक मार्च को भी यह फेरबदल देखने को मिला है। दिल्ली में कॉर्मिश्यल गैस सिलेंडर की कीमतों में 28 रुपए, जबकी अन्य शहरों में 32 रुपए महंगा हो गया है। इससे पहले पिछले महीने 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हुआ था।

नई कीमतों पर नजर डालें तो दिल्ली में 1740.50 रुपए में मिलने वाला कॉमर्शियल सिलेंडर

1768.50 रुपए में मिलेगा। वहीं, कोलकाता में 1844.50 रुपए की जगह 1875.50 रुपए, मुंबई में 1692 की जगह 1720.50 रुपए, चेन्नई में 1899.50 रुपए में मिलने वाला 19किलोग्राम का सिलेंडर अब 1929 रुपए महंगा हो गया है। इसके अलावा 14 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी गैस की कीमतों में 8 अप्रैल से कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। लोगों को ना सिर्फ एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में हुए इजाफा को झेलना पड़ेगा बल्कि हवाई यात्रियों की जेब का खर्च भी बढ़ने वाला है। हर महीने की शुरुआत की पहली तारीख की तरह इस बार भी तेल कंपनियां हवाई ईंधन यानी एयब टर्बाइन फ्यूल प्राइस भी बढ़ा दिया है। एटीएफ में कटौती या बढ़ोतरी हवाई यात्रियों की यात्रा का खर्च पर असर डालती है।

40 लाख रुपये की प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट बरामद, एक आरोपी काबू

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- अवैध और प्रतिबंधित उत्पादों की खरीद-फरोख्त पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की डीआईयू (नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट) टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब 40 लाख रुपये मूल्य की तस्करी कर लाई गई विदेशी सिगरेट की खेप जब्त करते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई कश्मीरी गेट इलाके में की गई।

गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी

6 फरवरी 2026 की शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि खारी बावली/मेवा मंडी, कश्मीरी गेट क्षेत्र में एक टाटा ऐस टेंपो में भारी मात्रा में अवैध आयातित सिगरेट रखी गई हैं। सूचना मिलते ही डीआईयू की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और टेंपो से 10 प्लास्टिक कट्टों में रखे 30 कार्टन बरामद किए। इन कार्टनों में कुल 3,00,000 सिगरेट स्टिक पाई गईं।

बरामद सिगरेट 'एसे स्पेशल गोल्ड द लीडर्स सिग्नेचर सुपर स्लिम' ब्रांड नाम से थीं। जांच में सामने आया कि इन सिगरेट पैकेटों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित अनिवार्य चेतावनी अंकित नहीं थी, जिसके चलते इन्हें देश में प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

आरोपी की पहचान और खुलासा

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 51 वर्षीय संजय अग्रवाल, निवासी अंबाला (हरियाणा) को मौके से पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह पिछले छह वर्षों से अवैध विदेशी सिगरेट की खरीद और सप्लाई में संलिप्त था। वह दिल्ली के पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया से माल खरीदकर हरियाणा और पंजाब के विभिन्न इलाकों में ऊंची मांग के चलते आपूर्ति करता था।

घटना वाले दिन वह सुबह ही खेप लेकर मोरी गेट तक पहुंचा था, लेकिन 'नो एंट्री' के कारण आगे नहीं बढ़ सका। वह इंतजार कर रहा था कि प्रतिबंध हटने के बाद दूसरी गाड़ी से माल बाहर भेज सके, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।

अवैध कारोबार की जांच जारी

पुलिस अब इस नेटवर्क के स्रोत और अन्य संभावित सहयोगियों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले मोहाली में पान मसाला की दुकान पर काम करता था और आसान मुनाफे के लालच में अवैध कारोबार में उतर गया।

डकैती कांड का पर्दाफाश- 15 लाख नकद और 30 लाख के मोबाइल बरामद

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- उत्तर जिला पुलिस को एक बड़ी सफलता उस समय मिली जब पुलिस थाना तिमारपुरऔर स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम ने डकैती के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में लूटी गई पूरी नकदी 15 लाख रुपये और करीब 30 लाख रुपये मूल्य के 21 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए। मामले का मास्टरमाइंड अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

बस से दिल्ली पहुंचते ही बनाया निशाना

17 फरवरी 2026 को जम्मू निवासी रमेश लाल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह जम्मू स्थित 'गैजेट गैलेक्सी' नामक

मोबाइल दुकान में कार्यरत है। 16-17 फरवरी की रात वह निजी बस से जम्मू से दिल्ली व्यापारिक कार्य हेतु रवाना हुआ था। उसके पास एक बैग में 15 लाख रुपये नकद और 22 पैकड एप्पल मोबाइल फोन थे, जबकि दूसरे छोटे बैग में उसका निजी मोबाइल रखा था। सुबह करीब 7-15 बजे जैसे ही वह मजनू का टीला इलाके में बस से उतरा, उसी बस से उतरे तीन पुरुष और तीन महिलाएं उसके पास पहुंचीं। आरोप है कि महिलाओं ने उसे घेरकर छेड़छाड़ के झूठे आरोप लगाने शुरू कर दिए, जबकि पुरुष आरोपियों ने उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तीन महिलाओं को पकड़ लिया गया और शिकायतकर्ता का एक बैग बरामद कर लिया गया। पूरी घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई। गिरफ्तार महिलाओं से पूछताछ में सामने आया कि कुल छह लोग इस साजिश में शामिल थे और इसका मास्टरमाइंड परवेज नामक व्यक्ति है। योजना के तहत सभी आरोपी जम्मू से एक ही बस में सवार हुए थे। दिल्ली पहुंचते ही महिलाओं को शिकायतकर्ता को घेरकर हंगामा करने की जिम्मेदारी दी गई, ताकि पुरुष आरोपी नकदी और मोबाइल से भरा बैग लेकर भाग सकें। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें जम्मू और पंजाब के अलग-अलग क्षेत्रों में रवाना की गईं। तकनीकी निगरानी और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण के बाद एक आरोपी मोहम्मद फारूक को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया गया। उसने खुलासा किया कि लूटी गई संपत्ति परवेज के पास है। दूसरे आरोपी तारिक हुसैन की तलाश में पुलिस टीम को उधमपुर (जम्मू) के दुर्गम पहाड़ी और घने जंगलों में कई दिनों तक अभियान चलाना पड़ा। बिना सड़कों वाले इलाकों और अंधेरे जंगलों में लगभग 25 किलोमीटर पैदल खोजबीन की गई।

टीम ने कई रातें बिना किसी नागरिक सुविधा के जंगल में बिताईं। करीब आठ दिन की कड़ी मशक्कत और 1500 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने के बाद तारिक को उसके गांव के जंगल क्षेत्र से पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर घर में पशुओं के बाड़े के पास दबाकर रखी गई 13 लाख रुपये नकदी और 21 एप्पल आईफोन बरामद किए गए। तलाशी के दौरान उसके पास से 2 लाख रुपये अतिरिक्त भी मिले।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि परवेज ने पहले से सूचना दी थी कि शिकायतकर्ता भारी नकदी और कीमती सामान लेकर यात्रा करेगा।

पॉजिटिव मीडिया मेरी पूज्य श्री रामजग सिंह जी से कुछ समय पहले बातचीत हुई थी

प्रेरणा के प्रतीक राम जग सिंह का देहांत, शोक की लहर

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- सकारात्मक आंदोलन का संकल्प वर्ष के 28 फरवरी को एक मजबूत स्तंभ के रुप में एक शख्सियत का जाना विश्वव्यापी आरजेसियंस के लिए और सकारात्मक आंदोलन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आरजेएस पीबीएस के संस्थापक उदय मन्ना ने बताया मेरे पिताजी नब्बे वर्षीय राम जग सिंह का देहांत 28 फरवरी की सुबह साढ़े छः बजे पटना आवास पर हो गया । उनका अंतिम संस्कार पवित्र गंगा के दीघा घाट पर पटना में सन्ध्या 6 बजे किया गया।

आरजेएस पीबीएस के राष्ट्रीय ऑब्जर्वर दीप माथुर ने बताया कि मेरी उदय कुमार मन्ना से बीती रात बात हुई थी तो पता चला कि आरजेएस के प्रेरणास्रोत तथा श्री उदय कुमार मन्ना जी के पूज्य पिता श्री राम जग सिंह जी का स्वास्थ्य अत्यंत गंभीर अवस्था में है और उनके जो ऑर्गन्स है वह प्रॉपर्ली काम

नहीं कर रहे हैं और वह निरंतर डॉक्टर की निगरानी में है । उन्हें ऑक्सीजन दी जा रही है। आज सुबह साढ़े छः बजे वो हमें छोड़कर भगवान की चरणों में चले गए।

श्री दीप माथुर ने बताया कि यह जो घड़ी है जब उदय कुमार मन्ना और उनके समस्त परिवार के लिए बहुत धैर्य रखने की है । मैं आरजेएस परिवार की ओर से दिवंगत राम जग सिंह जी की आत्मा की शांति के लिए हार्दिक प्रार्थना अर्पित करता हूं ।प्रभु श्री मन्ना जी और उनके परिवार को इस समय धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें। मेरी पूज्य श्री रामजग सिंह जी से कुछ समय पहले बातचीत हुई थी, तो वह इस की पॉजिटिव मीडिया मूवमेंट को लेकर अत्यंत प्रफुल्लित थे। उनका यह मानना था कि इस मूवमेंट को अधिक से अधिक पल्लवित किया जाए किया जाना चाहिए। उनकी चिंता यह भी थी कि इस संस्थान को किस प्रकार से वित्तीय रूप से पोषित किया जाए ।उन्होंने इसके विषय में मेरे से काफी देर तक बातचीत की उनका यह मानना था कि आरजेएस को आगे चलने के लिए आर्थिक और हर तरह की सहायता की आवश्यकता है । सभी को इसके लिए सतत् प्रयास करने होंगे। दिवंगत श्री राम जग सिंह जी बहुत ही एक बहुत अच्छे विचार वाले इंसान लगे । उन्होंने मुझसे बहुत प्यार से बात की । एक बुजुर्ग के नाते मार्गदर्शन भी दिया।उनका व्यक्तित्व हमारे लिए प्रेरणा देता रहेगा। हमने उनके सानिध्य और आशीर्वाद के साथ इस संकल्प वर्ष में 17 जनवरी को 17 सूत्रीय संकल्प की घोषणा की थी ।यह संकल्प 23 जनवरी , 2026 को ब्रह्म कुमारी आश्रम ,पटेल नगर नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल फेस्टिवल आफ पॉजिटिविटी और गणतंत्र दिवस समारोह में लॉन्च किया गया था।

घोषणा

- विषय में मेरे से काफी देर तक बातचीत की उनका यह मानना था कि आरजेएस को आगे चलने के लिए आर्थिक और हर तरह की सहायता की आवश्यकता है । सभी को इसके लिए सतत् प्रयास करने होंगे। दिवंगत श्री राम जग सिंह जी बहुत ही एक बहुत अच्छे विचार वाले इंसान लगे ।

उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार- एन.आई. एक्ट मामले में फरार चल रहा आरोपी दबोचा गया

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- एन.आई. एक्ट के एक मामले में अदालत की कार्यवाही से लगातार बच रहे आरोपी को द्वारका जिला पुलिस की जेल बेल एवं उद्घोषित अपराधी प्रकोष्ठ (उद्घोषित अपराधी प्रकोष्ठ) ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत द्वारा पहले ही उद्घोषित अपराधी (उद्घोषित अपराधी) घोषित किया जा चुका था। विशेष अभियान के तहत चल रही कार्रवाई में यह गिरफ्तारी की गई।

अदालत ने घोषित किया था उद्घोषित अपराधी

आरोपी रिजवान को दिनांक 13 जनवरी 2026 को द्वारका कोर्ट द्वारा केस संख्या 17222/2021, धारा 138 एन.आई. एक्ट में उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। यह आदेश माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एन.आई. एक्ट)-09, दक्षिण-पश्चिम, द्वारका कोर्ट द्वारा पारित किया गया था। अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने और न्यायिक प्रक्रिया से बचने के कारण उसके विरुद्ध यह सख्त कदम उठाया गया था।

विशेष टीम का गठन और अभियान

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त के निर्देशानुसार उद्घोषित अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एक समर्पित टीम का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर हरीश कुमार कर रहे थे। टीम में हेड कांस्टेबल कुलवंत सिंह, हेड कांस्टेबल महेश डागर और कांस्टेबल जयदीप शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी ऑपरेशंस की निगरानी में की गई।

टीम को उद्घोषित अपराधियों, सक्रिय बदमाशों और हाल ही में जेल से रिहा हुए आरोपियों की तलाश का विशेष दायित्व सौंपा गया था।

21 फरवरी 2026 को जब टीम सेक्टर-10 द्वारका क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी, तभी एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एन.आई. एक्ट मामले में फरार चल रहा उद्घोषित अपराधी रिजवान इलाके में घूम रहा है।

अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार, 2000 क्वार्टर के साथ लग्जरी - जब्त

नई दिल्ली/द्वारका/उमा सक्सेना/- द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने अंतरराज्यीय स्तर पर अवैध शराब की आपूर्ति करने वाले एक सक्रिय तस्कर को भारी मात्रा में शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी लग्जरी एसयूवी कार में अवैध शराब की खेप लेकर दिल्ली में प्रवेश कर रहा था। पुलिस ने मौके से 40 पेटियां (कुल 2000 क्वार्टर, प्रत्येक 180 एमएल) अवैध शराब बरामद की है। साथ ही शराब की ढुलाई में प्रयुक्त महिंद्रा एक्सयूवी-500 वाहन को भी जब्त कर लिया गया है।

विशेष अभियान के तहत जाल बिछाया गया

द्वारका जिला में अंतरराज्यीय अवैध शराब सप्लायर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में स्पेशल स्टाफ की एक टीम का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर कमलेश कुमार कर रहे थे। टीम में हेड कांस्टेबल विजेंद्र, हेड कांस्टेबल जगदीश, हेड कांस्टेबल राजेश, हेड कांस्टेबल नरेश और हेड कांस्टेबल जयराम शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी ऑपरेशन की निगरानी में की गई।

टीम ने दिल्ली-हरियाणा सीमा से सटे प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर जाल बिछाया। गुप्त सूत्रों को भी सक्रिय किया गया ताकि अवैध शराब की तस्करी में लगे लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

लग्जरी कार से सप्लाई, पुलिस को चकमा देने की कोशिश

20 फरवरी 2026 की तड़के टीम को सूचना मिली कि प्रशांत नामक व्यक्ति महिंद्रा एक्सयूवी-500 कार में बड़ी मात्रा में अवैध शराब लेकर द्वारका क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर सेक्टर-10 स्थित परिवहन प्राधिकरण के पास निगरानी बढ़ाई गई।

बताए गए नंबर की सिल्वर रंग की एक्सयूवी-500 कार दिखाई देने पर चालक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने वाहन की गति बढ़ाकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया और आरोपी को उस समय काबू कर लिया जब वह कार का दरवाजा खोलकर मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था।

जांच के दौरान कार से 40 पेटियां अवैध शराब बरामद हुईं, जिनमें कुल 2000 क्वार्टर 'फ्रेश संत्रा मसालेदार देसी शराब' (हरियाणा बिक्री हेतु) पाई गई।

बरामदगी के आधार पर थाना द्वारका साउथ में दिल्ली आबकारी अधिनियम की धाराओं 33/38/58 (डी) के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के बाद आरोपी प्रशांत पुत्र राम बाबू, उम्र 29 वर्ष, निवासी इंदरप्रस्थ कॉलोनी, बुराड़ी, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी दिल्ली आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में संलिप्त रह चुका है। वह आठवीं तक शिक्षित है और पूर्व में ड्राइवर का काम करता था। नौकरी छूटने के बाद वह अवैध शराब के कारोबार में शामिल हो गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि पुलिस जांच से बचने के लिए उसने लग्जरी एसयूवी का इस्तेमाल किया, ताकि संदेह कम हो और छोटे वाहनों की तुलना में जांच से बच सके।

पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जीटीबी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा विस्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती देते हुए 10 बेड की अत्याधुनिक मेडिकल का लोकार्पण किया गया। साथ ही वीडियो एंडोस्कोपी सुइट का शुभारंभ और एकीकृत आयुष स्ट्रेस मैनेजमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की गई। यह पहल केवल अस्पताल में सुविधाएँ बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपचार, जांच, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीते एक वर्ष के दौरान दिल्ली के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिले हैं। नए ब्लॉकों का निर्माण, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, और आमजन तक योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित की गई है। आयुष्मान भारत योजना और वय वंदना योजना जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ आरोग्य मंदिरों के माध्यम से लोगों को उनके घर के नजदीक निःशुल्क व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसी अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया, जिससे दिल्ली भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ी। राजधानी में इस अभियान की औपचारिक शुरुआत जीटीबी अस्पताल से की गई। अगले तीन महीनों में दिल्ली के 600 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और लगभग 4000 विशेष टीकाकरण सत्रों के जरिए करीब 1.6 लाख बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। यह अभियान केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त भविष्य का संकल्प है।

इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, कैबिनेट सहयोगी मनोज तिवारी, विधायक संजय गोयल, जिला अध्यक्ष मास्टर विनोद सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। दिल्ली को देश की स्वास्थ्य राजधानी बनाने के संकल्प के साथ सरकार व्यापक और जनकेंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था को और सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है।

ख़ास ख़बर

डार्क पैटर्न पर नहीं चलेगी चालाकी

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- डार्क पैटर्न को लेकर आरबीआई ने कड़ा कदम उठाया है। साथ ही सभी बैंकों को निर्देश भी दिया गया है। बैंक का ऐप खोलने पर उसमें अतिरिक्त सेवाओं को खरीदने के मैसेज या नोटिफिकेशन बार-बार आते हैं, तो आप अकेले ऐसे यूजर्स नहीं है। अब ऐसे मामलों में आरबीआई सख्त नजर आ रहा है और डिजिटल बैंकिंग को पारदर्शी बनाने के लिए कड़ा आदेश दिया गया है।

केंद्रीय बैंक ने अब रेस्पॉनसिबल बिजनेस कंडक्ट एमेंडमेंट डायरेक्शन 2026 के तहत बैंकों को सख्त निर्देश दिया है। आरबीआई ने कहा है कि बैंक जुलाई 2026 तक अपनी वेबसाइटों और मोबाइल ऐप से डार्क पैटर्न हटा दें, जो ग्राहकों को गुमराह करने या दबाव डालने के लिए तैयार किया गया फॉर्मूला है।

सभी बैंकों को बड़ा निर्देश

आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को उचित जानकारी के बिना उत्पाद खरीदने या शुल्क चुकाने के लिए गुमराह ने किया जाए। बैंकों को ग्राहक की स्पष्ट अनुमति के बिना वित्तीय सेवा शुरू करने पर भी रोक लगा दी जाएगी। बैंक को जुलाई 2026 तक डार्क पैटर्न को पूरी तरह खत्म करने का आदेश दिया है। आरबीआई द्वारा मोबाइल बैंकिंग पर लोगों की बढ़ती निर्भरता को देखते हुए ये कदम उठाया गया है।

क्या होता है डार्क पैटर्न

दरअसल, डार्क पैटर्न डिजिटल प्लेफॉर्म पर इस्तेमाल की जाने वाली एक ऐसी तकनीकें हैं, जिनका उद्देश्य उपभोक्ताओं के व्यवहार को प्रभावित करना होता है। जिसे वह आसानी से पूरी तरह समझ न सके, इनमें हिडन चार्ज, भ्रमित करने या प्रलोभन देने वाले विकल्प या फिर ग्राहकों को बार-बार प्रेरित करने वाले संकेत शामिल हो सकते हैं। बैंकों को इन ट्रिक्स पर रोक के संबंध में आरबीआई ने ये निर्देश दिए गए हैं। आरबीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह किस चीज के लिए साइन-अप कर रहे हैं।

ऑपरेशन मिलाप- द्वारका नॉर्थ पुलिस की सतर्कता से दो वर्षीय मासूम अपने परिवार से मिला

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में एक बार फिर पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता ने मानवता की मिसाल पेश की। दिल्ली पुलिस के थाना द्वारका नॉर्थ क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग के दौरान हेड कांस्टेबल विनोद कुमार को एक दो वर्षीय बालक लावारिस हालत में मिला। बच्चा सेक्टर-16 द्वारका स्थित पेट्रोल पंप के पास सर्विस रोड पर अकेला और असहाय अवस्था में खड़ा था। आसपास भीड़ जमा थी, लेकिन मासूम अपनी उम्र कम होने के कारण न तो ठीक से बोल पा रहा था और न ही अपने घर का पता बता सका।

पहचान की चुनौती और अथक प्रयास

हेड कांस्टेबल विनोद कुमार ने तुरंत बच्चे को सुरक्षित संरक्षण में लिया और उसकी पहचान स्थापित करने के प्रयास शुरू किए। बालक बेहद छोटा होने के कारण अपने माता-पिता या पते के बारे में स्पष्ट जानकारी देने में असमर्थ था। इसके बावजूद पुलिसकर्मी ने धैर्य और संवेदनशीलता के साथ आसपास पूछताछ की, संभावित क्षेत्रों में जानकारी जुटाई और उपलब्ध संकेतों को जोड़कर आगे की कार्रवाई की।

तीन घंटे की मेहनत के बाद खुशियों की वापसी

लगातार करीब तीन घंटे तक चले प्रयासों के बाद पुलिस टीम बच्चे के परिजनों तक पहुंचने में सफल रही। आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मासूम को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिवार की आंखों में राहत और खुशी साफ झलक रही थी। बच्चे और परिजनों के चेहरों पर लौटी मुस्कान ने पूरे घटनाक्रम को भावुक बना दिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन मिलाप जैसे प्रयास न केवल कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते हैं, बल्कि समाज में भरोसा भी मजबूत करते हैं। द्वारका नॉर्थ थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक संभावित अनहोनी को टालते हुए परिवार को फिर से एक कर दिया।

इन त्योहारों पर भी रहेगी छुट्टी, इन शहरों में बैंक की रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- होली 3 मार्च को है या 4 मार्च को, इसे लेकर लोगों में भ्रम बना हुआ है। अब होली की सरकारी छुट्टियों को लेकर स्थिति साफ हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च 2026 के लिए बैंक छुट्टियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार अलग-अलग राज्यों और शहरों में अलग-अलग तारीखों पर बैंक बंद रहेंगे। लिस्ट के मुताबिक, रंगों का प्रमुख त्योहार होली 4 मार्च, 2026 को मनाया जाएगा। लेकिन होली से जुड़े कार्यक्रमों के कारण 2 और 3 मार्च को भी कई जगहों पर बैंक बंद रहेंगे।

होली

- **इन शहरों में बैंक की रहेगी छुट्टी 2 मार्च 2026 को होलिका दहन के मौके पर कानपुर और लखनऊ जैसे कुछ शहरों में बैंक बंद रहेंगे।**

इन शहरों में बैंक की रहेगी छुट्टी

2 मार्च 2026 को होलिका दहन के मौके पर कानपुर और लखनऊ जैसे कुछ शहरों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि देश के अधिकांश हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। 3 मार्च 2026 को होली/धुलंडी के अवसर पर कई बड़े शहरों में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इनमें मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, पटना, रांची, भोपाल, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, नागपुर, पणजी, बेलापुर और विजयवाड़ा शामिल हैं। इन शहरों के लोगों को बैंक से जुड़े काम पहले ही निपटा लेने की सलाह दी गई है।

4 मार्च 2026 को देश के उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्सों में बैंक बंद रहेंगे। नई दिल्ली, अहमदाबाद, लखनऊ, कानपुर, पटना, रांची, चंडीगढ़, शिमला, जम्मू, रायपुर, भुवनेश्वर, अगरतला, ईटानगर, शिलॉन्ग और इंफाल में इस दिन बैंक सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। मार्च महीने में होली के अलावा भी कई अन्य छुट्टियां रहेंगी। 13 मार्च को कुछ राज्यों में चापचार कुट, 17 मार्च को जम्मू-कश्मीर में शब-ए-कद्र, 19 मार्च को गुड़ी पड़वा और उगादी जैसे त्योहारों पर बैंक बंद रह सकते हैं।

इन त्योहारों पर भी रहेगी छुट्टी

वहीं, 20 और 21 मार्च को ईद-उल-फितर और 26-27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर भी कई स्थानों पर बैंक छुट्टी रहेगी। 31 मार्च को कुछ जगहों पर स्थानीय अवकाश रहेगा। हालांकि इन छुट्टियों के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग, क्ष्ळ्, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहेंगी। लेकिन चेक जमा, केवाईसी अपडेट या ड्राफ्ट जैसे काम के लिए लोगों को छुट्टियों से पहले ही योजना बनाकर बैंक जाना चाहिए।

'बंटी-बबली' दंपत्ति गिरफ्तार- एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर करोड़ों की ठगी

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- थाना पुलिस थाना द्वारका साउथ की टीम ने संपत्ति बेचने के नाम पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने वाले पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। यह दंपत्ति एक ही फ्लैट के संबंध में कई लोगों से एग्रीमेंट टू सेल कर मोटी रकम ऐंठता था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से दबोचा।

एक ही संपत्ति के कई सौदे, करोड़ों की ठगी

वर्ष 2024 में थाना द्वारका साउथ क्षेत्र में धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि एक महिला ने अपने फ्लैट को बेचने के नाम पर उनसे एग्रीमेंट किया और अग्रिम राशि प्राप्त कर ली। बाद में न तो फ्लैट की रजिस्ट्री की गई और न ही रकम लौटाई गई। इसके बाद आरोपी दंपत्ति फरार हो गया।

जांच के दौरान सामने आया कि महिला ने अपने पति के साथ मिलकर उसी फ्लैट के संबंध में कई व्यक्तियों से अलग-अलग समझौते किए। आरोप है कि इस तरह उन्होंने करीब 2 से 2.5 करोड़ रुपये तक की रकम विभिन्न लोगों से धोखे से प्राप्त की।

पत्नी घोषित हुई उद्घोषित अपराधी

लगातार गैरहाजिरी और फरारी के चलते आरोपी शारदा सिकरी को 24 सितंबर 2025 को द्वारका कोर्ट द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया। उसकी अग्रिम जमानत याचिका निचली अदालत से खारिज हुई और बाद में दिल्ली हाई कोर्ट में भी राहत नहीं मिली। इसके बावजूद दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचते रहे।

विशेष टीम का गठन और तकनीकी निगरानी

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई नवीन यादव, एएसआई महावीर, एचसी प्रवीण यादव, एचसी भूषण और महिला कांस्टेबल रुपाली देव शामिल थीं। पूरी कार्रवाई इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह के नेतृत्व और एसीपी द्वारका की निगरानी में की गई।

काफी समय तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन तकनीकी सर्विलांस और गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि दंपत्ति ग्रेटर नोएडा में छिपा हुआ है। टीम ने वहां पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका फ्लैट बैंक में गिरवी रखा हुआ था। बैंक का कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने अवैध तरीके से धन जुटाने की योजना बनाई और कई लोगों को एक ही संपत्ति बेचने का झांसा दिया। रकम लेने के बाद वे दिल्ली छोड़कर उत्तर प्रदेश में जाकर छिप गए।

कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गिरफ्तार | समय रहते कार्रवाई कर एक लक्षित हमले की साजिश को नाकाम कर दिया गया।

अवैध हथियारों के साथ गैंग सहयोगी गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत द्वारका जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने बड़ी सफलता हासिल की है। दिल्ली पुलिस की टीम ने कुख्यात गैंगस्टर काला जठेड़ी उर्फ संदीप तथा उसके सहयोगी ओम प्रकाश उर्फ काला झरोड़िया गिरोह से जुड़े एक सक्रिय सदस्य को अवैध हथियारों के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से दो सेमी-ऑटोमैटिक देसी पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जो इस्तेमाल के लिए तैयार हालत में थे। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर एक लक्षित हमले की साजिश को नाकाम कर दिया गया।

21 फरवरी 2026 को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर ॅ्रञ्जस् टीम ने द्वारका नाला रोड, मेट्रो पिलर नंबर क्ब्9, हरि विहार के पास जाल बिछाया। मौके से 19 वर्षीय मनीष उर्फ मिशु, निवासी झरोड़ा कलां, दिल्ली को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद हुए।

संगठित गिरोह से जुड़ाव और आपराधिक पृष्ठभूमि

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पूर्व में आर्म्स एक्ट के मामलों में संलिप्त रहा है। हाल ही में वह एक अन्य मामले में गिरफ्तार हुआ था और जेल में रहने के दौरान उसकी फिर से गैंग के सदस्यों से संपर्क स्थापित हुआ। पुलिस के अनुसार, उसे गिरोह के लिए शूटर के रूप में काम करने के लिए तैयार किया जा रहा था। इस संबंध में थाना थाना द्वारका नॉर्थ में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत नया मामला दर्ज किया गया है।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने करीब दो से ढाई सप्ताह पहले तीन पिस्तौल और लगभग दस जिंदा कारतूस हासिल किए थे।

एक अन्य हथियार उसके सहयोगी के पास बताया गया है, जिसकी तलाश जारी है। जांच में यह भी सामने आया कि हथियार मध्य प्रदेश के खरगोन क्षेत्र से अवैध सप्लाई चैन के जरिए दिल्ली लाए गए थे। पुलिस अब इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की कड़ियां जोड़कर पूरे गिरोह को ध्वस्त करने की दिशा में काम कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि नो गन्स, नो गैंग्स अभियान के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। समय पर की गई इस गिरफ्तारी से संभावित बड़ी आपराधिक घटना को टाल दिया गया है।

इको, एडवेंचर और वेलनेस टूरिज्म पर खास फोकस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार के टूरिज्म डिपार्टमेंट ने ÷स्न्ञ्जश्व 2026÷ के 32वें एडिशन में खास मौजूदगी दर्ज कराई। यह साउथ एशिया की लीडिंग बीटूबी ट्रैवल और टूरिज्म एग्जीबिशन है। यह एक्सपो 25-27 फरवरी 2026 तक यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर), नई दिल्ली में आयोजित की गई। महाराष्ट्र टूरिज्म की ओर से इस एक्सपो सेंटर में हॉल 1 के स्टॉल बी310 का महाराष्ट्र पवेलियन के ऑफिशियल डेलीगेशन ने ऑफिशियली उद्घाटन किया। इस हिस्सेदारी ने राज्य के नेशनल और इंटरनेशनल टूरिज्म फुटप्रिंट को मजबूत करने पर स्ट्रेटेजिक फोकस को दिखाया। इन्फॉर्मा मार्केट्स द्वारा ऑर्गनाइज, 50 से ज्यादा देशों और 28 स्टेट टूरिज्म बोर्ड के एग्जीबिटर्स और बायर्स एक साथ आए, जिससे बिजनेस बढ़ाने और डेस्टिनेशन प्रमोशन के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिला।

महाराष्ट्र डेलीगेशन का नेतृत्व संतोष जाधव, जॉइंट डायरेक्टर (डीओटी), चंद्रशेखर जायसवाल (जनरल मैनेजर, महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन), विजय जाधव (डिप्टी डायरेक्टर (डीओटी) ने किया। उनके साथ डेलीगेशन में जाने-माने होटल मालिक, टूर ऑपरेटर, हेरिटेज स्टेकहोल्डर और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट प्रोफेशनल शामिल थे, जिन्होंने पूरी एग्ज़िबिशन के दौरान स्ट्रक्चर्ड बी2बी मीटिंग और स्ट्रेटेजिक नेटवर्किंग सेशन में हिस्सा लिया।

पवेलियन में इमर्सिव एलईडी ऑडियो-विज़ुअल प्रेजेंटेशन और क्यूरेटेड बिज़नेस इंटरैक्शन थे, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े इसके ऐतिहासिक समुद्री और पहाड़ी किलों और सुंदर कोंकण कोस्टलाइन से लेकर वाइल्डलाइफ़ सर्किट, तीर्थ स्थलों, शहरी टूरिज़्म हब और उभरते एमआईसीई मौकों तक महाराष्ट्र के अलग-अलग तरह के टूरिज़्म से जुड़े ऑफ़र दिखाए गए।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

भाईचारा ही लोकतंत्र की असली ताकत

भारत में लोकतंत्र की परंपरा बहुत मजबूत रही है और यहां नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार संविधान के तहत मिला हुआ है। मगर इसके साथ ही कुछ जिम्मेदारियां भी अभिन्न हैं, जो आपस में मिल कर ही देश में सद्भाव और सहयोग पर आधारित समाज को जीवन देती हैं। विडंबना यह है कि कई बार अभिव्यक्ति की आजादी पर पूर्वाग्रह और महज धारणा पर आधारित राय हावी दिखती है और इसे किसी व्यक्ति या समुदाय को कठघरे में खड़ा करने का औजार बना लिया जाता है। अपनी प्रभावी संप्रेषण शक्ति और लोगों तक व्यापक पहुंच रखने वाले कला माध्यम के रूप में फिल्मों में अभिव्यक्ति के रचनात्मक पक्ष का इस्तेमाल करते हुए बड़े से बड़े प्रश्नों पर विचार किया जाता रहा है और इसे सभी स्तरों पर स्वीकार्यता भी मिलती रही है। मगर अफसोस की बात यह भी है कि इसी सुविधा का कई बार गलत फायदा भी उठाया जाता है। अभिव्यक्ति के नाम पर किसी फिल्म में परोसी गई कहानी के जरिए किसी समुदाय के बारे में गलत धारणा बनाने की कोशिश की जाती है। इसी तरह, कुछ नेता भी अपनी जिम्मेदारियों और सीमाओं को ताक पर रख कर बेहिचक ऐसे बयान देते हैं, जिससे अलग-अलग समुदायों के बीच द्वेष पैदा होता है। जबकि इसका नतीजा इस रूप में भी सामने आ सकता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भावना आधारित संवाद या संबंध पीछे छूट जाए। जाहिर है, देश को इसके दूरगामी नुकसान हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि हाल ही में अपने शीर्षक की वजह से विवाद के घेरे में आई एक फिल्म पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के लिए भाईचारा जरूरी है। इस मामले में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने अपने अलग फैसले में कहा कि सरकारी और गैरसरकारी सहित किसी भी जानी-मानी हस्ती और खासतौर पर ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य माध्यमों के जरिए किसी भी समुदाय को बदनाम करना, उस पर धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर निशाना साधना संविधान का उल्लंघन है। दरअसल, पिछले कुछ समय से देश भर में अलग-अलग संदर्भ में कुछ नेताओं के बयानों या फिल्मों ने कई बार विवाद की स्थिति खड़ी कर दी। सार्वजनिक रूप से वैसी बातें करने में भी संकोच नहीं किया गया, जिसका कोई मजबूत आधार नहीं था, लेकिन उसने जन मानस के बीच राय बनाने में भूमिका निभाई। वे फिल्मों में चित्रित ब्योरे हों या किसी नेता का बयान, ऐसे अनेक मौके सामने आए, जब उसकी वजह से नाहक विवाद खड़ा हुआ, आपसी सद्भाव को नुकसान पहुंचा और यहां तक कि कोई खास समुदाय अपने आपको कठघरे में खड़ा या असुरक्षित महसूस करने लगा। सवाल है कि किसी व्यक्ति या समुदाय को लक्ष्य कर बोलने की आजादी के तहत जो भी कहा जाता है, क्या कभी उसके आधार और असर को लेकर भी विचार करने की कोशिश की जाती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सद्भावना और आपसी भाईचारा देश के संविधान के बुनियादी उद्देश्यों में से एक है। अनुच्छेद 51ए(ई) के तहत हर नागरिक का यह बुनियादी कर्तव्य है कि वह धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं की सीमा से अलग होकर नागरिकों के बीच सद्भावना और सहयोग को बढ़ावा दे। मगर धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर अगर किसी व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो यह संविधान और मानवीय मूल्यों का विरुद्ध है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका की गरिमा सर्वोपरि

गोपाल कृष्ण व्यास
पूर्व न्यायाधीश

भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक राष्ट्र है। यहाँ शासन व्यवस्था तीन प्रमुख स्तंभों—न्यायपालिका, कार्यपालिका और व्यवस्थापिका—पर आधारित है। इन तीनों के बीच संतुलन और परस्पर सम्मान ही लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाता है। यदि इनमें से कोई एक स्तंभ कमजोर होता है, तो लोकतांत्रिक ढांचा प्रभावित हो सकता है।

न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना गया है। उसका दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। जब शासन-प्रशासन में किसी प्रकार की त्रुटि, अतिरेक या मनमानी दिखाई देती है, तब न्यायपालिका हस्तक्षेप कर संतुलन स्थापित करती है। यही कारण है कि उसे लोकतंत्र का अंतिम प्रहरी कहा जाता है। हाल के समय में न्यायपालिका के आदेशों की अवहेलना करना, अथवा मीडिया के माध्यम से उसकी गरिमा को आहत करने का प्रयास करना एक चिंताजनक प्रवृत्ति के रूप में सामने आया है। न्यायालयों की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, किंतु वह मर्यादित और तथ्यपरक होनी चाहिए। निराधार आरोप या अपमानजनक टिप्पणियाँ न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं।

इसी संदर्भ में माननीय मुख्य न्यायाधीश द्वारा एन सी ई आर टी के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्यायालय यदि यह अनुभव करे कि किसी संस्था या व्यक्ति द्वारा न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, तो विधि सम्मत कार्रवाई करना उसका अधिकार और कर्तव्य दोनों है। यह भी आवश्यक है कि न्यायपालिका अपनी निष्पक्षता और स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए कार्यपालिका और व्यवस्थापिका से संतुलित दूरी रखे। संविधान निर्माताओं ने शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत इसी उद्देश्य से स्थापित किया था, ताकि कोई भी अंग निरंकुश न बन सके और लोकतंत्र सुरक्षित रहे।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में न्यायपालिका की साख और गरिमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि न्यायालयों के आदेशों का सम्मान नहीं होगा, तो कानून का शासन कमजोर पड़ेगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। अत: सभी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का यह दायित्व है कि वे न्यायपालिका के निर्णयों का सम्मान करें और असहमति भी संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर व्यक्त करें। लोकतंत्र की मजबूती के लिए तीनों स्तंभों के बीच संतुलन, पारदर्शिता और परस्पर सम्मान अनिवार्य है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करना केवल न्यायालयों का ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का सामूहिक दायित्व है।

लोकतंत्र में भरोसा बढ़ाने वाला निर्णय

सुप्रीम कोर्ट का मतदाता सूची पर ऐतिहासिक आदेश

प्रो. हरबंश दीक्षित

गत शुक्रवार को देश एक अभूतपूर्व अदालती निर्णय का साक्षी बना। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े विवादित दावों को निपटाने के लिए न्यायिक अधिकारियों की मदद लेने का ऐतिहासिक आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी गतिरोध को देखते हुए यह फैसला सुनाया। बाद में उसने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ती है, तो ओडिशा और झारखंड के न्यायिक अधिकारियों को बंगाल में मतदाता सूची से संबंधित दावों और आपत्तियों को तय करने के लिए लगाया जा सकता है। यह हस्तक्षेप केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया को गति देने का उपाय नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उस मूल आत्मा की रक्षा का संवैधानिक संकल्प है, जिसका आधार प्रत्येक नागरिक का निर्बाध और सुरक्षित मताधिकार है। जब मतदाता सूची जैसे मूल दस्तावेज की शुचिता पर प्रश्न उठ खड़े हों और लाखों नागरिकों की लोकतांत्रिक पहचान पर संशय हो, तब न्यायपालिका का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने का एक निर्णायक प्रयास बन जाता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति चुनाव में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित होती है, जिसके साथ नागरिक चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यह विश्वास मतदाता सूची से प्रारंभ होता है। मतदाता सूची केवल नामों का संकलन नहीं, बल्कि नागरिक की संवैधानिक पहचान का प्रमाण है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम इस सूची से अनुपस्थित हो जाता है, तो वह अपने मताधिकार से वंचित हो जाता है और यदि अपात्र व्यक्ति इसमें सम्मिलित हो जाता है तो वह चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करता है। इसीलिए मतदाता सूची की शुचिता, लोकतंत्र की वैधता का आधार है।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्मी चरण सेन बनाम एकेएम हसन (1985) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची की शुद्धता चुनाव की वैधता की आधारशिला है और इसे सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। न्यायालय ने इस पर बल दिया कि मतदाता सूची में त्रुटियां केवल प्रशासनिक चूक नहीं होतीं, बल्कि वे लोकतंत्र की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती हैं। बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान लगभग 45 लाख विवादित मतदाता दावों का

लंबित होना इसी संवेदनशील प्रश्न की गंभीरता को दर्शाता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 प्रत्येक वयस्क नागरिक को मताधिकार प्रदान करता है, जो लोकतंत्र में उसकी संप्रभुता की अभिव्यक्ति है। वहीं अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की व्यापक शक्ति देता है, ताकि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहे। हालांकि इन संवैधानिक प्रविधानों की वास्तविक प्रभावशीलता तभी संभव है, जब मतदाता सूची पूर्णत: शुद्ध, अद्यतन और विश्वसनीय हो। यदि इस आधार में ही त्रुटि हो, तो लोकतंत्र की संपूर्ण संरचना प्रभावित होती है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप संविधान के अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 142 के अंतर्गत उसकी संवैधानिक शक्तियों का एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। अनुच्छेद 32 नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय को प्रत्यक्ष हस्तक्षेप का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 142 न्यायालय को %पूर्ण न्याय% सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है। इन प्रविधानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए असाधारण कदम उठाना आवश्यक हो, तब न्यायपालिका प्रभावी और निर्णायक भूमिका निभा सके। न्यायिक अधिकारियों की सहायता सुनिश्चित करने का निर्णय इसी संवैधानिक दायित्व का प्रकटीकरण है। इस हस्तक्षेप का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को प्रशासनिक विवेक से ऊपर उठाकर न्यायिक विश्वसनीयता प्रदान की गई है। न्यायिक अधिकारी अपनी विधिक समझ के कारण इस प्रकार के संवेदनशील कार्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होते हैं।

यह घटनाक्रम भारतीय संविधान की संस्थागत परिपक्वता का भी सशक्त उदाहरण है। निर्वाचन आयोग, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने-अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए समन्वित भूमिका निभाई है। यह उस संवैधानिक संतुलन का प्रमाण है, जिसमें संस्थाएं केवल अपने अधिकार क्षेत्र तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि राष्ट्रहित और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक अधिकारियों की छुट्टियां रद करना भी इसी संवैधानिक प्राथमिकता का प्रतीक है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि जब लोकतंत्र की मूल प्रक्रिया की शुचिता का प्रश्न हो, तब संस्थागत सुविधा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व सर्वोपरि होता है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक व्यापक और दूरगामी संदेश यह भी देता है कि भारत में लोकतंत्र केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक संरक्षित संवैधानिक मूल्य है, जिसकी रक्षा के लिए संविधान और उसकी संस्थाएं सदैव सजग हैं। यह हस्तक्षेप यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव प्रक्रिया का प्रत्येक चरण संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, संवैधानिक प्रतिबद्धता और संस्थागत सजगता का भी सशक्त प्रमाण है। अपनी संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र की आधारशिला यानी मताधिकार को किसी भी परिस्थिति में कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। असाधारण परिस्थितियों में लिया गया यह असाधारण निर्णय न केवल मतदाता सूची की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करेगा, बल्कि नागरिकों के उस विश्वास को भी और मजबूत करेगा, जो लोकतंत्र की वास्तविक और स्थायी शक्ति है। यही विश्वास भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और उसकी रक्षा ही संविधान की सर्वोच्च प्रतिबद्धता है।

आसान नहीं व्यापार समझौतों का लाभ लेना

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

पिछले कुछ सालों में भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से कई देशों से मुक्त व्यापार की राह पर आगे बढ़ा है। इससे भारतीय वस्तुओं के लिए दुनिया के बाजारों में निर्यात पहुंच बढ़ी है। गत दिवस पीएम मोदी ने कहा कि इजरायल के साथ भी भारत का एफटीए जल्दी ही आकार लेते हुए दिखाई देगा और भारत जल्द तीसरी बड़ी अर्थव्यस्था वाला देश होगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ को अवैध ठहराए जाने के बाद 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए भारत समेत सभी देशों पर 15 प्रतिशत अस्थाई ग्लोबल टैरिफ लागू हो गया है। इस अवधि के बाद अमेरिकी संसद तय करेगी कि इसे आगे बनाए रखना है या नहीं अभी अमेरिकी प्रशासन के पास टैरिफ लगाने की कई शक्तियां बची हुई हैं। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी संसद से टैरिफ पर प्रस्ताव मंजूर होने के बाद भारत के साथ किया गया व्यापार समझौता अपने पूर्व निर्धारित रूप में ही लागू होगा। ऐसे में जहां आगामी 150 दिन टैरिफ की अस्थाई कमी निर्यात बढ़ाने के लिए हितकर है, वहीं इसके बाद दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौता अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए लाभप्रद होगा। भारत के लिए अमेरिका एक सबसे बड़ा बाजार है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच 131.84 अरब डालर मूल्य का व्यापार हुआ। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से दिसंबर के बीच भारत ने अमेरिका को 65.88 अरब डालर मूल्य का निर्यात किया है। ऐसे में अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता भारतीय निर्यात बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। अमेरिका द्वारा शुरू किए गए टैरिफ और व्यापार व्यवधानों ने भारत को वैकल्पिक बाजार खोजने और नए व्यापार गठबंधन बनाने की राह पर आगे बढ़ाया है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत ने पिछले वर्ष कई व्यापार समझौते किए हैं और इस वर्ष भी कई नए व्यापार समझौतों के कार्यान्वयन की तैयारी है। इनमें अत्यधिक महत्वपूर्ण यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौता भी शामिल है। हाल में एआइ समिट के दौरान ईयू के कई राष्ट्राध्यक्षों ने 27 जनवरी को भारत-ईयू के दौरान किए गए एफटीए को शीघ्र कार्यान्वित किए जाने के लिए समर्थन दिया। यह एफटीए दुनिया की

> व्यापार समझौतों से देश को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए अधिकारियों को नए दौर की जरूरत के मुताबिक शिक्षित-प्रशिक्षित करने के साथ सरकारी और निजी क्षेत्रों में शोध, विकास एवं नवाचार बढ़ाना होगा।

दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का बेजोड़ उदाहरण है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी कहा गया है। इस एफटीए से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा, जिसका संयुक्त बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से के बराबर होगा। अनुमान है कि यह एफटीए आगामी छह महीने में कार्यान्वित होते हुए दिखाई देगा। पिछले वर्ष भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान के साथ किए गए एफटीए इसी अप्रैल से और न्यूजीलैंड के साथ किया गया एफटीए सितंबर से कार्यान्वित होते हुए दिखाई देगा। इन सबके साथ-साथ मारीशस, संयुक्त अरब अमीरात, आस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ हुए एफटीए से भी इस वर्ष निर्यात बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इस वर्ष पेरू,चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए हो सकते हैं। इस तरह निर्यात बढ़ने की संभावनाओं का यह एक अनुकूल परिदृश्य है, लेकिन ट्रंप प्रशासन के लगातार बदलते रवैये को देखते हुए भारत के लिए उचित यही होगा कि वह अन्य देशों से व्यापार समझौते संबंधी वार्ताओं को गति दे।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। भारत को निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। एक फरवरी को वित्त मंत्री की ओर से प्रस्तुत केंद्रीय बजट में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ही ध्यान देना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए हमें उत्पादों की गुणवत्ता और नए सुधारों पर भी ध्यान देना होगा। व्यापार समझौते अभी ऐतिहासिक कागजी दस्तावेज हैं। इनका पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब भारत नई पीढ़ी के सुधारों और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को आगे बढ़ाएगा। नए व्यापार समझौतों से भारत दुनिया की बड़ी-बड़ी मंडियों में प्रवेश पाने में सफल तो होगा, लेकिन देश को व्यापारिक महाशक्ति बनाने के लिए आकर्षक दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाला माल तैयार करना होगा। सिस्टमैटिक्स ग्रुप की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत द्वारा व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ लेने के लिए सबसे पहले किफायती लागत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, लाजिस्टिक्स और कस्टम प्रक्रियाओं को सरल बनाने जैसे सुधारों पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। निर्यातकों की दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं।

वे एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत की ओर से निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। व्यापार समझौतों से देश को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए अधिकारियों को नए दौर की जरूरत के मुताबिक शिक्षित-प्रशिक्षित करने के साथ सरकारी और निजी क्षेत्रों में शोध, विकास एवं नवाचार बढ़ाना होगा।

जीवन धारा

आप खुद एक पुस्तकालय हैं

वृद्धावस्था जीवन का अंत नहीं, बल्कि हमारे संपूर्ण अस्तित्व का निचोड़

एरिक एरिक्सन

मानव जीवन विकास के विभिन्न क्रमिक चरणों से गुजरता है, जिसमें अंतिम चरण सबसे चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण भी है। इसीलिए, मैं मानता हूं कि वृद्धावस्था जीवन का अंत नहीं, बल्कि हमारे संपूर्ण अस्तित्व का निचोड़ है। जब हम उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचते हैं, तो हमें अपने अतीत को टुकड़ों में देखने के बजाय एक विस्तृत और पूर्ण तस्वीर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। जीवन के उतार-चढ़ाव, सफलताएं और असफलताएं-इन सबका समग्र रूप से स्वागत करना ही समय पर प्राप्त की गई असली जीत है। एक बुजुर्ग व्यक्ति जब अपनी जीवन-यात्रा के प्रति 'कृतज्ञता' महसूस करता है, तो उसके भीतर एक ऐसी गहन शांति का संचार होता है, जो उतावलेपन से भरे युवाओं के लिए दुर्लभ है। इस अवस्था की सबसे अनमोल देन बुद्धिमानी है। यह वह अद्वितीय गुण है, जो केवल समय की मार, सफेद बालों और चेहरे की झुर्रियों के अनुभव से ही निखरता है। यह वह आंतरिक शक्ति है, जो मृत्यु की अपरिहार्यता के सामने भी जीवन की गरिमा और उसके अर्थ को अक्षुण्ण बनाए रखती है। अत:, वरिष्ठ नागरिकों को स्वयं को समाज पर भार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए। इसके विपरीत, उन्हें खुद को उस जीवंत 'पुस्तकालय' के रूप में देखना चाहिए, जहां हर समस्या और मानवीय भावना से जुड़ी अनुभवी सलाह उपलब्ध है। इस उम्र में प्रेरणा का सबसे अक्षय स्रोत 'जेनेरेटिविटी' है, जिसका अर्थ है अपनी संचित विरासत और ज्ञान को अगली पीढ़ी के हाथों में सौंपना। जो बुजुर्ग अपने संघर्षों और सीखों को युवाओं के साथ साझा करते हैं, वे मानसिक रूप से कभी वृद्ध नहीं होते, बल्कि उनका अस्तित्व तो आने वाली पीढ़ियों के मार्ग को आलोकित करने वाला एक शाश्वत दीपक बन जाता है। इसलिए, वृद्धावस्था आत्म-ग्लानि में डूबने का नहीं, बल्कि स्वयं से यह कहने का समय है कि 'मैंने अपना जीवन जिया है और इसका हर पल सार्थक था।'

> वरिष्ठ नागरिकों को खुद को उस जीवंत 'पुस्तकालय' के रूप में देखना चाहिए, जहां हर समस्या और मानवीय भावना से जुड़ी अनुभवी सलाह उपलब्ध है। जो बुजुर्ग अपने संघर्षों और सीखों को युवाओं के साथ साझा करते हैं, वे मानसिक रूप से कभी वृद्ध नहीं होते।

सरस्वती सिंधु सभ्यता: भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है राखीगढ़ी का पुरास्थल

भारत के प्राचीन इतिहास के प्रति वर्तमान सरकार का झुकाव कोई अचंभित करने वाला विषय नहीं है। इसी कड़ी में आगामी वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री महोदया ने 15 पुरातात्विक स्थलों को उत्खनित व विकसित करने हेतु विशेष राशि आवंटित की है। इन पुरास्थलों में राखीगढ़ी, लोथल, धोलावीरा, आदिचिन्नलूर आदि प्रमुख हैं। इन सभी पुरास्थलों में से एक राखीगढ़ी के लिए विशेष तौर पर 500 करोड़ की राशि आवंटित की गई है । राखीगढ़ी की ऐसी क्या महत्वता है जो सरकार का झुकाव इस ओर अधिक है । राखीगढ़ी हरियाणा के हांसी जिले में अवस्थित है। भारत की प्राचीनतम सरस्वती सिंधु सभ्यता का यह पुरास्थल ऋग्वेद में वर्णित दृष्दवति नदी के किनारे पर स्थित था। इस पुरास्थल की 1997 से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा समय समय पर खुदाई की गई है।

हाल ही में हुए सघन पुरातात्विक सर्वेक्षण से यह ज्ञात हुआ है की राखीगढ़ी नगर का कुल क्षेत्रफल 350 हेक्टेयर से अधिक था। यह विस्तार राखीगढ़ी को सरस्वती सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर होना सिद्ध करता है। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है कि राखीगढ़ी से कुछ दूरी पर ही सरस्वती नदी व दृष्दवति नदी ता संगम अवस्थित था। यही कारण है की सभ्यता का सबसे बड़ा नगर यहां स्थित था । राखीगढ़ी का पुरास्थल कुल 11 टीलों में विभाजित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खननों के फलस्वरूप सरस्वती सिंधु सभ्यता के प्रारंभिक व विकसित काल के पुरावशेष प्रकाश में आए हैं। यहां से प्राप्त वैज्ञानिक तिथियों के अनुसार वर्तमान समय ले 8000 वर्ष पूर्व से लेकर 4000 वर्ष पूर्व तक यहां मानव बसाहट विद्यमान थी । सरस्वती सिंधु सभ्यता के परवर्ती काल के पुरावशेष हमें राखीगढ़ी से प्राप्त नहीं होते । राखीगढ़ी से मिलने वाले पुरावशेष भारतीय इतिहास में रचे गए आर्य आगमन के कुचक्र को धराशायी करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में उत्खननकर्ता डॉ अमरेन्द्र नाथ को विभिन्न आकार कि यज्ञवेदियां प्राप्त हुईं थी। यह यज्ञोवेदियां योनी व चित्ती आकार कि हैं जो सरस्वती सिंधु सभ्यता के विकसित काल के दौरान की हैं । यह इस बात की द्योतक हैं कि राखीगढ़ी में रहने वाले लोग वर्तमान समय से 4500 वर्ष पूर्व वैदिक परंपराओं का अनुसरण करते थे। यहां इस तथ्य का उल्लेख भी आवश्यक है कि ऋग्वेद में दृष्दवती नदी के किनारे रहने व यज्ञ संपादित करने की उल्लेख आता है । इस प्रकार राखीगढ़ी के उपरोक्त पुरातात्विक साक्ष्य ऋग्वेद के विवरणों से साम्यता रखते हैं । इस आधार पर वैदिक जनों का 1500 ईसा पूर्व बाहर से आने के मत पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं । राखीगढ़ी की महत्वता इस वैज्ञानिक तथ्य में भी निहित है कि यहां मौजूद सरस्वती सिंधु सभ्यता के कंकालों के डीएनए अध्ययन से यह ज्ञात हुआ है कि इन कंकालों में कोई मध्य एशियाई जीन मौजूद नहीं था । इस प्रकार जिन विद्वानों का यह मत था कि संभवत: सरस्वती सिंधु सभ्यता के लोग बाहरी थे इस पर पूर्ण विराम लग गया है तथा यह सभ्यता पूर्णत: स्वदेशी सभ्यता थी । आर्य आगमन के मिथक को सिद्ध करने के लिए सरस्वती सिंधु सभ्यता में घोड़े की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया जाता है। परन्तु राखीगढ़ी में हुए पुरातात्विक उत्खनन से घोड़े की मृण्मूर्ति प्रकाश में आई है। उत्खननकर्ता डॉ अमरेन्द्र नाथ ने अपने शोध पत्र में इस विषय का उल्लेख किया है । यह इस बात की द्योतक है कि इस सभ्यता में घोड़ा पहले से ही विद्यमान था ।

राखीगढ़ी उत्खनन

राखीगढ़ी उत्खनन से विभिन्न अर्ध कीमती पत्थर जैसे कार्नेलियन, अगेट, जैस्पर, लाजवर्द आदि के मनके प्राप्त होते हैं । यह पत्थर गुजरात व अफगानिस्तान से यहां लाए जाते थे। यह पुरावशेष इस बात को प्रमाणित करते हैं की यहां रहने वाले लोग दूरस्थ इलाकों तक व्यापार करते रहे होंगे। राखीगढ़ी में इन अर्ध कीमती पत्थरों का उपयोग कर मनके व आभूषण भी बनाए जाते थे । यहां ये तांबे की छेनियां भी प्राप्त हुई हैं, गौरतलब है कि तांबे की खदाने राखीगढ़ी के आसपास विद्यमान नहीं हैं। वर्ष 2023-24 में डॉ संजय मंजुल के नेतृत्व में हुए पुरातात्विक उत्खनन में राखीगढ़ी में एक स्टेडियम के होने के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं । सरस्वती सिंधु सभ्यता में इसके पूर्व केवल गुजरात स्थित धोलावीरा से ही स्टेडियम के प्रमाण मिले हैं ।

नई दिल्ली मैराथन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप की दमदार मौजूदगी

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में आयोजित प्रतिष्ठित नई दिल्ली मैराथन 2026 में इस बार जोश, अनुशासन और खेल भावना का अनूठा संगम देखने को मिला। देश-विदेश से पहुंचे लगभग 30 हजार प्रतिभागियों के बीच बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप (बीआरजी) ने शानदार भागीदारी दर्ज कराते हुए अपने शहर बहादुरगढ़ को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। समूह के 300 से अधिक धावकों ने विभिन्न श्रेणियों में हिस्सा लिया, जिनमें से 140 ने फुल मैराथन पूरी कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

सुबह तड़के शुरू हुए इस भव्य आयोजन में एलीट वर्ग की दौड़ प्रातः 4 बजे आरंभ हुई, जबकि ओपन मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की स्पर्धाएं निर्धारित समयानुसार आयोजित की गईं। प्रतियोगिता की शुरुआत बॉर्डरमैन मैराथन के गेट नंबर 14 से हुई, जहां प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया।

पूर्ण मैराथन में प्रभावशाली प्रदर्शन

बीआरजी के धावकों ने 42.195 किलोमीटर की चुनौती को बेहतरीन समय में पूरा कर अपनी फिटनेस और समर्पण का परिचय दिया। तीन घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने वालों में सनी और राकेश सरन प्रमुख रहे। चार घंटे के भीतर फिनिश लाइन पार करने वाले धावकों में देवेंद्र किशोर प्रसाद, शलभ खरे, विजय, एंटनी, पुष्कर, रामाकांत, कांता साहू, डी.के. शर्मा और संदीप शर्मा शामिल रहे।

पांच घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वालों में रजत कौशिक, विजय दहिया, संजय भगत, वैभव, अतुल एस. श्रीवास्तव, नवीन आर.के. मोर और कौशल शर्मा ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज कराया।

हाफ मैराथन और 10 किमी में भी दमखम

21 किलोमीटर वर्ग में 90 मिनट के अंदर दौड़ पूरी करने वाले विजेंद्र, रविंदर दहिया, सत्यवान डागर, नवनीत दलाल, रचित, संदीप, आकाश, मेजर कुलवंत, विकास राठी, नीरज डाबस, नरेश, परमेश गुप्ता और महेश चंद ने बेहतरीन फिटनेस का परिचय दिया।

वहीं 10 किलोमीटर श्रेणी में डॉ. किरण छिल्लर और सुनील सिकरी ने भी सफलतापूर्वक भाग लेकर समूह की सक्रियता को साबित किया।

उत्कृष्ट भागीदारी पर विशेष सम्मान

आयोजकों द्वारा बीआरजी को प्रभावशाली उपस्थिति और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों की सुविधा के लिए वैध बिब नंबर रखने वाले धावकों को मेट्रो यात्रा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई तथा पार्किंग की अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सका।

बॉर्डरमैन मैराथन में भी लहराया परचम

दिल्ली के अलावा पंजाब में आयोजित बॉर्डरमैन मैराथन में भी बीआरजी के एथलीटों ने अपनी छाप छोड़ी। सीमा रावत ने अपनी पहली फुल मैराथन में दूसरा स्थान हासिल कर 75 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता।

ब्रह्म प्रकाश मान ने 3 घंटे 42 मिनट 10 सेकंड में और गुलाब सिंह ने 3 घंटे 4 मिनट 51 सेकंड में फुल मैराथन पूरी की। धर्मवीर (21 किमी), नरेंद्र जांगड़ा (10 किमी), राजपाल (10 किमी), किरण नरूला (21 किमी ङ्क 2"19"59), अमृत कौर और रोहतास ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

आयोजन

21 किलोमीटर वर्ग में 90 मिनट के अंदर दौड़ पूरी करने वाले विजेंद्र, रविंदर दहिया, सत्यवान डागर, नवनीत दलाल, रचित, संदीप, आकाश, मेजर कुलवंत, विकास राठी, नीरज डाबस, नरेश, परमेश गुप्ता और महेश चंद ने बेहतरीन फिटनेस का परिचय दिया।

बहादुरगढ़ बन रहा फिटनेस का नया केंद्र

समूह के संस्थापक दीपक छिल्लर ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में धावकों की भागीदारी यह दर्शाती है कि बहादुरगढ़ में फिटनेस के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। उनका कहना है कि बीआरजी का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली का संदेश फैलाना है।

लगातार बढ़ती भागीदारी, बेहतर समय और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान इस बात का संकेत हैं कि बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप अब केवल एक रनिंग क्लब नहीं रहा, बल्कि फिटनेस आंदोलन का सशक्त प्रतीक बन चुका है।

कैबिनेट में जवाबदेही की बारी, पीएम मोदी करेंगे मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- मोदी कैबिनेट के सभी मंत्रियों को अब अपने कामकाज ब्यौरा देना होगा। सभी मंत्री पीएम मोदी को अपना प्रजेंटेशन देंगे। इस दौरान वह बताएंगे की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान उनके मंत्रालय ने क्या काम किए हैं उसका परिणाम क्या हुआ? इस दौरान पीएम मोदी कामकाज की समीक्षा करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि इस बात के लिए मंत्री चिंतित होंगे कि जरूरी सुधारों को लागू किया जाए क्योंकि, उनकी समीक्षा कभी भी हो सकती है। साथ ही जवाबदेही भी तय होगी।

मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक

बता दें कि प्रधानमंत्री कार्यालय का नया पता सेवा तीर्थ है। मंगलवार यानी 24फरवरी को यहां कैबिनेट की बैठक हुई थी, इसके तुरंत बाद ही आदेश दिया गया। कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सभी मंत्रियों को सूचना दी कि प्रधानमंत्री हर मंत्रालय की ओर से प्रजेंटेशन चाहते हैं। कैबिनेट सचिव ने आगे कहा कि अगली बैठक के दौरान कुछ चीजें लेकर आए कि वे क्या प्रजेंट करेंगे। इसके बाद उनकी प्रजेंटेशन की तारीख तय की जाएगी। बताया जा रहा है कि अलग-अलग कैबिनेट बैठक के दौरान प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। मतलब एक ही दिन सारे प्रजेंटेशन नहीं होंगे। बताया जा रहा है कि मंगलवार यानी 24फरवरी की शाम को ही प्रजेंटेशन के लिए सभी मंत्रियों को बता दिया गया था।

भेजा गया प्रजेंटेशन का फॉर्मेट

मंत्रियों के बीच इस बात की भी चर्चा है कि उनका प्रजेंटेशन अच्छा रहे क्योंकि पीएम मोदी खुद सामने होंगे। ऐसे में वे प्रजेंटेशन को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जानकारी मिल रही है कि कैबिनेट सचिव की तरफ से सभी विभागों को एक डिटेल फॉर्मेट दिया गया है। इसमें भरकर तीन से चार कैटेगरीज में बताना होगा कि हमने क्या सुधाए किए हैं और उसका परिणाम क्या निकला है।

एसजीटी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

गुरुग्राम/उमा सक्सेना/- गुरुग्राम स्थित श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय (एसजीटी विश्वविद्यालय) में आज से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हो रही है। यह आयोजन मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं लिबरल आर्ट्स संकाय द्वारा भारतीय विश्व मामलों की परिषद के सहयोग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रायोजन में 25 और 26 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय भारत की नैरेटिव कूटनीति की बदलती गतिशीलता रखा गया है।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक रणनीति पर मंथन

भू-राजनीतिक बदलाव, डिजिटल क्रांति, जलवायु संकट और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के दौर में कूटनीति के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। अब संवाद केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतीकों, ऐतिहासिक स्मृतियों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी आकार ले रहा है।

सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि भारत किस प्रकार 'वसुधैव कुटुम्बकम्', ग्लोबल साउथ सहयोग, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रवासी भारतीय नेटवर्क, योग, आयुर्वेद, बौद्ध विरासत, समुद्री संपर्क, खाद्य कूटनीति और सिनेमा जैसे माध्यमों के जरिए अपनी वैश्विक छवि को सशक्त बना रहा है।

बहुविषयक सत्रों में विशेषज्ञों की भागीदारी

यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय संबंध, सांस्कृतिक अध्ययन, मीडिया, सामरिक अध्ययन और डिजिटल मानविकी जैसे विषयों के संगम पर आधारित है। कार्यक्रम में प्लेनरी सत्र, मुख्य वक्तव्य, पैनल चर्चाएं और दस विषयगत तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसमें 7 देशों तथा भारत के 18 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों से 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। ये प्रतिभागी 75 से अधिक विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माण से जुड़े संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अकादमिक और नीति-निर्माण के बीच सेतु

आयोजकों का मानना है कि यह सम्मेलन अकादमिक विमर्श और नीति-निर्माण के बीच संवाद को मजबूत करेगा। साथ ही भारत की विकसित होती नैरेटिव कूटनीति को समझने और वैश्विक स्तर पर देश के बौद्धिक योगदान को रेखांकित करने में सहायक सिद्ध होगा।

महंगे सामानों की खरीद पर सवाल, सिंधिया ने BSNL मामले में शुरू कराई कार्रवाई

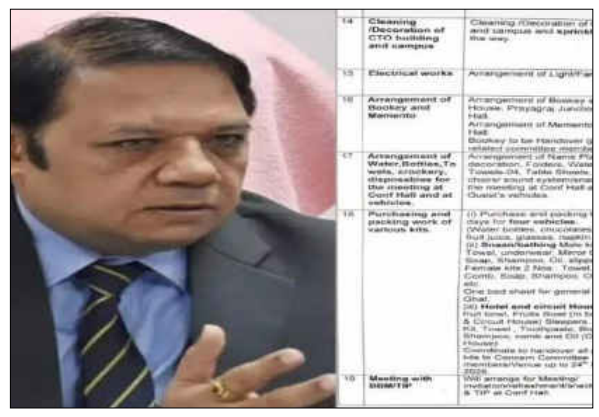

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- बीएसएनएल के डायरेक्टर विवेक बंसल के प्रयागराज दौरे के लिए जारी वीआईपी प्रोटोकॉल को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है। उनके नहाने से लिए अंडरवियर, तेल और कंघी जैसी चीजें जुटाने में 50कर्मचारियों को तैनात किया गया था। अब मामला सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने एक्शन लेते हुए उनका दौरा रद्द कर दिया है।

बीएसएनएल बोर्ड के निदेशक विवेक बंसल 25 और 26 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज जाने वाले थे लेकिन दौरा रद्द कर दिया गया है। चौंकाने वाली बात ये है कि इस दौरे के लिए आधिकारिक आदेश जारी किया गया, वह हैरान करने वाला था। अधिकारियों को सौंपे गए काम का आदेश भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

वायरल आदेश के अनुसार प्रयागराज पहुंचने पर बंसल के लिए संगम स्नान, नाव की सवारी, बड़े हनुमान के दर्शन पातालपुरी मंदिरों के दर्शन की व्यवस्था की जानी थी। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि अधिकारियों को आदेश दिए गए थे कि तौलिया, अंडरगार्मेंट, चप्पल, कंघी, शीशा और बालों के तेल की व्यवस्था करें। इसके अलावा ड्राइ फरूट्स, फलों की टोकरी, शेविंग किट, टूथपेस्ट, शैंपू आदि का इंतजाम करने को कहा गया था।

निदेशक

बीएसएनएल बोर्ड के निदेशक विवेक बंसल 25 और 26 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज जाने वाले थे लेकिन दौरा रद्द कर दिया गया है। चौंकाने वाली बात ये है कि इस दौरे के लिए आधिकारिक आदेश जारी किया गया

वहीं, बीएसएनल निदेशक वीआईपी व्यवस्था वाला आदेश सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कड़ी नाराजगी जताई है। सूत्रों के मुताबिक, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस मामले को अस्वीकार्य करार देते हुए कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वहीं, विवाद बढ़ने के बाद विवेक बंसल का प्रयागराज तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इस वीआईपी कल्चर पर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। वहीं, सरकार ने बीएसएनएल के निदेशक विवेक बंसल को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

सोनू दरियापुर गैंग का अंतरराज्यीय बदमाश गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सोनू दरियापुर गैंग के एक कुख्यात अंतरराज्यीय अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था।

पुलिस के मुताबिक आरोपी थाना बवाना क्षेत्र में दर्ज एक्सटॉर्शन फायरिंग मामले में घोषित 'प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर' था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने आरोपी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी। इसके बाद महेश गार्डन, नजफगढ़ इलाके में ट्रैकिंग के दौरान उसे धर दबोचा गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी दिल्ली और हरियाणा में कई संगीन मामलों में वांछित था। पुलिस का मानना है कि उसकी गिरफ्तारी से दोनों राज्यों में सक्रिय गैंग गतिविधियों पर प्रभाव पड़ेगा और आपराधिक नेटवर्क को बड़ा झटका लगेगा।

यह कार्रवाई इंस्पेक्टर अक्षय गहलौत के नेतृत्व में, एसीपी राजपाल डबास के मार्गदर्शन और डीसीपी श्री हर्ष इंदोरा के समग्र पर्यवेक्षण में अंजाम दी गई। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई को संगठित स्ट्रीट क्राइम और गैंग हिंसा के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में अपराध के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई- दो शातिर झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- द्वारका जिले में संगठित अपराध पर नकेल कसते हुए द्वारका जिला पुलिस की घोषित अपराधी एवं जेल बेल प्रकोष्ठ (पीओ एवं जेल बेल सेल) टीम ने दो कुख्यात झपटमारों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस का दावा है कि इनकी गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय संगठित झपटमारी गिरोहों की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगेगी।

विशेष अभियान के तहत गठित की गई टीम

पुलिस उपायुक्त, द्वारका जिले के निर्देश पर संगठित अपराध की रोकथाम के लिए पीओ एवं जेल बेल सेल को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी। निरीक्षक हरीश कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बलजीत, मुख्य आरक्षी प्रदीप, कुलवंत, महेश कुमार, महेश डागर, अजीत यादव तथा आरक्षी अंकुर और जयदीप सहित एक अनुभवी टीम का गठन किया गया। इस पूरी कार्रवाई की निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) स्तर से की जा रही थी।

टीम को निर्देश दिए गए थे कि झपटमारी और चोरी की हर घटना स्थल का दौरा कर सीसीटीवी फुटेज खंगाली जाए, तकनीकी साक्ष्य, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मैनुअल रिकॉर्ड का विश्लेषण कर आरोपियों तक पहुंचा जाए।

गुप्त सूचना पर दबिश, ककरोला क्षेत्र से गिरफ्तारी

पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दो सक्रिय झपटमार द्वारका क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने ककरोला गंदा नाला रोड के पास छापा मारकर दोनों संदिग्धों को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू (27 वर्ष) और शुभम उर्फ फोटी (28 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक छीना हुआ मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल (जिसका उपयोग वारदात में किया जाता था) और एक एटीएम कार्ड बरामद किया गया। संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पूछताछ में कबूला जुर्म

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि आर्थिक तंगी के चलते वे गलत संगत में पड़ गए और नशे व ऐशो-आराम की पूर्ति के लिए मोबाइल झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देने लगे। छीने गए मोबाइल फोन को बेचकर वे धन अर्जित करते थे।

कई मामलों का खुलासा

इनकी गिरफ्तारी से द्वारका नॉर्थ, पश्चिम विहार पूर्व और मोहन गार्डन थानों में दर्ज कई झपटमारी और चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सोनू पहले भी नौ आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है, जबकि शुभम का आपराधिक इतिहास फिलहाल सामने नहीं आया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के अन्य साथियों की संलिप्तता तो नहीं है और क्या ये किसी बड़े गिरोह का हिस्सा हैं।

विशेष

पुलिस उपायुक्त, द्वारका जिले के निर्देश पर संगठित अपराध की रोकथाम के लिए पीओ एवं जेल बेल सेल को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी। निरीक्षक हरीश कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बलजीत, मुख्य आरक्षी प्रदीप, कुलवंत, महेश कुमार, महेश डागर, अजीत यादव तथा आरक्षी अंकुर और जयदीप सहित एक अनुभवी टीम का गठन किया गया। इस पूरी कार्रवाई की निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) स्तर से की जा रही थी।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई- कुख्यात अपराधी अनवर उर्फ अन्नू गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- द्वारका जिले के अंतर्गत आने वाले थाना बिंदापुर की टीम ने झपटमारी और चोरी की वारदातों में सक्रिय एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी अनवर उर्फ अन्नू, जो थाने का सूचीबद्ध बदमाश (बैड कैरेक्टर) है, लंबे समय से क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह 35 से अधिक मामलों में संलिप्त पाया गया है, जिनमें झपटमारी, शस्त्र अधिनियम और चोरी के प्रकरण शामिल हैं।

सीसीटीवी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस

घटना 7 फरवरी 2026 की सुबह की है, जब नानक नगर निवासी अमनदीप ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उत्तम नगर पूर्व मेट्रो स्टेशन के पास एक अज्ञात युवक ने उनका पर्स छीन लिया और फरार हो गया। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी संख्या 104/26 भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में दर्ज की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के विश्लेषण के बाद संदिग्ध की पहचान अनवर उर्फ अन्नू के रूप में हुई, जो पहले से ही थाना बिंदापुर का घोषित बदमाश है।

उत्तम नगर से दबोचा गया आरोपी

तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पुलिस ने 10 फरवरी 2026 को उत्तम नगर क्षेत्र से आरोपी को धर दबोचा। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर छीना गया पर्स, महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा वारदात के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए।

श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन का आगाज़

गुरुग्राम/उमा सक्सेना/- गुरुग्राम स्थित श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय (एसजीटीयू) में 'चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ इंडियाज़ नैरेटिव' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम दिन गहन वैचारिक विमर्श देखने को मिला। देश-विदेश से पहुंचे शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की विदेश नीति, वैचारिक आधार, रणनीतिक प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय अपेक्षाओं पर व्यापक चर्चा की। यह आयोजन फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स द्वारा भारतीय विश्व मामलों की परिषद के सहयोग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रायोजन में संपन्न हुआ।

नैरेटिव डिप्लोमेसी- सिद्धांत से व्यवहार तक

सम्मेलन की शुरुआत 'नैरेटिव डिप्लोमेसी- थ्योरी एंड प्रैक्टिस' विषयक पैनल चर्चा से हुई, जिसने आगे की चर्चाओं के लिए मजबूत बौद्धिक आधार तैयार किया। सत्र का संचालन डॉ. नंदिनी बसिष्ठ ने किया। वक्ताओं ने 21वीं सदी की कूटनीति में कथानक निर्माण, धारणा-निर्माण और रणनीतिक संप्रेषण की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उनका मत था कि आज राष्ट्र केवल सैन्य या आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों और वैचारिक विमर्श के माध्यम से भी वैश्विक प्रभाव स्थापित कर रहे हैं। कहानियां, प्रतीक और सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय जनमत को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, शैक्षणिक संस्थान, प्रवासी भारतीय समुदाय और मानवाधिकार विमर्श वैश्विक छवि निर्माण के प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। भारत की प्राचीन सभ्यतागत धरोहर और सांस्कृतिक पूंजी को उसकी विशेष ताकत बताते हुए यह भी कहा गया कि प्रभावी प्रस्तुति के लिए विश्वसनीयता, लचीलापन और नैतिक आधार अनिवार्य हैं।

सम्मेलन

'द पावर ऑफ परसेप्शन- नैरेटिव डिप्लोमेसी एंड ऑपरेशन सिंदूर' विषयक विशेष सत्र में वडोदरा से भाजपा सांसद हेमांग जोशी और प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा के बीच संवाद हुआ।

उद्घाटन सत्र- विचार और गरिमा का समन्वय

कार्यक्रम का शुभारंभ 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में डॉ. विजय चौथाईवाले, डॉ. अन्वेषा घोष और डॉ. अरविंद कुमार ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीति के तेजी से बदलते दौर में स्पष्ट और सुसंगत नैरेटिव ही अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को सुदृढ़ कर सकता है और राष्ट्रीय मनोबल को मजबूती दे सकता है। मीडिया नैतिकता और सभ्यतागत आत्मविश्वास को भारत की वैश्विक छवि के निर्माण का प्रमुख आधार बताया गया।

इस अवसर पर ÷स्टोरीज, सॉफ्ट पावर एंड स्ट्रेटेजी- इंडियाज नैरेटिव डिप्लोमेसी इन द 21ह्यह्ल सेंचुरी÷ शीर्षक संपादित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया, जिसने कूटनीति के अध्ययन को बहुआयामी दृष्टिकोण से समृद्ध करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

'परसेप्शन की शक्ति' और समकालीन रणनीति

'द पावर ऑफ परसेप्शन- नैरेटिव डिप्लोमेसी एंड ऑपरेशन सिंदूर' विषयक विशेष सत्र में वडोदरा से भाजपा सांसद हेमांग जोशी और प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा के बीच संवाद हुआ। चर्चा में बताया गया कि आधुनिक रणनीतिक कदम सैन्य और डिजिटल दोनों स्तरों पर समानांतर रूप से संचालित होते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को सुरक्षा पहल के साथ-साथ प्रतीकात्मक दृष्टि से प्रभावशाली उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि नामकरण और प्रस्तुति जनधारणा को किस प्रकार प्रभावित करती है। सत्र में श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए।

नैरेटिव संप्रभुता और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी

चर्चा के दौरान 'नैरेटिव संप्रभुता' की अवधारणा पर बल देते हुए कहा गया कि प्रत्येक राष्ट्र के लिए अपनी दृष्टि को प्रभावी ढंग से वैश्विक मंच पर रखना आवश्यक है। राजनीतिक नेतृत्व, मीडिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे पारदर्शिता और रणनीतिक संप्रेषण के बीच संतुलन बनाए रखें। इसके बाद विषय से जुड़े तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

विशेष व्याख्यान- सॉफ्ट पावर और वैचारिक स्वतंत्रता

विशेष सत्र में एसीटी के कुलाधिपति पद्मश्री एवं पद्मभूषण राम बहादुर राय ने 'नैरेटिव' और 'सॉफ्ट पावर' की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कहा कि विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी भी सशक्त लोकतंत्र का मूल आधार है। विभिन्न ऐतिहासिक और समकालीन संदर्भों का उल्लेख करते हुए उन्होंने जवाबदेही, नीति-निर्माण और वैचारिक स्पष्टता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

समग्र रूप से सम्मेलन के पहले दिन की चर्चाओं ने यह स्थापित किया कि आज की कूटनीति में धारणा-निर्माण एक प्रभावशाली रणनीतिक साधन बन चुका है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए सुसंगत, विश्वसनीय और मूल्य-आधारित नैरेटिव का निर्माण अंतरराष्ट्रीय सहयोग और राष्ट्रीय आत्मविश्वास दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सरकारी कर्मचारी से लूटी गई सोने की चेन बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- द्वारका जिले के अंतर्गत आने वाले थाना मोहन गार्डन की टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सरकारी कर्मचारी से मारपीट कर लूटी गई सोने की चेन के मामले में तीन आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई करीब 11 ग्राम वजनी सोने की चेन भी बरामद कर ली है। इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश अंतिल की देखरेख में किया गया।

देर रात वारदात, पीसीआर कॉल से खुला मामला

20-21 फरवरी 2026 की दरमियानी रात पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि भगवती गार्डन एक्सटेंशन क्षेत्र में एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसकी चेन छीन ली गई है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक राजेश कुमार पुलिस दल के साथ द्वारका मोड़ स्थित घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित अभिषेक हुड्डा (30 वर्ष), निवासी भगवती गार्डन एक्सटेंशन, ने बताया कि वह अपनी कार से घर लौट रहे थे। द्वारका मोड़ के पास एक रेस्तरां के निकट तीन युवकों ने उन्हें रोककर मारपीट की और उनकी सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी संख्या 49/26 भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धारा के तहत दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी और खुफिया सूचना से मिली सफलता

मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिसकर्मियों ने मोहन गार्डन, बिंदापुर और रन्होला क्षेत्रों में लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई।

लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने मोहर सिंह (28 वर्ष), गौरव उर्फ गोलू (22 वर्ष) और करण (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन बरामद कर ली गई।

पूछताछ में कबूला अपराध

गहन पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ही 20-21 फरवरी की रात पीड़ित के साथ मारपीट कर चेन लूटी थी। पुलिस के अनुसार मोहर सिंह के खिलाफ पहले से 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि गौरव उर्फ गोलू दो मामलों में संलिप्त रह चुका है।

पुलिस अब आरोपियों के अन्य साथियों और संभावित अन्य वारदातों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए सघन अभियान जारी रहेगा और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस थाना कोतवाली की टीम को बड़ी सफलता

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पुरानी दिल्ली क्षेत्र में हुई मोबाइल स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस थाना कोतवाली की टीम ने दो शातिर झपटमारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इस कार्रवाई से स्नैचिंग और मोटर वाहन चोरी से जुड़े तीन मामलों का समाधान हो गया है।

सुबह के समय वारदात को दिया अंजाम

15 फरवरी 2026 को दर्ज ई-एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता वंश बंसल अपने मित्र के साथ स्कूटी से छत्ता रेल की ओर से कोडिया पुल की तरफ जा रहे थे। सुबह करीब 6:30 बजे, जब वे कोडिया पुल ट्रैफिक सिग्नल (ओल्ड दिल्ली रेलवे स्टेशन क्षेत्र) के पास पहुंचे, तभी पीछे से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उनके हाथ से रेडमी मोबाइल फोन झपट लिया और मौके से फरार हो गए। मामले में संबंधित धाराओं के तहत जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना से मिली सफलता

थाना कोतवाली की टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो युवक हेलमेट पहनकर मोटरसाइकिल पर वारदात को अंजाम देते दिखाई दिए। आगे की जांच में भागने के संभावित रास्तों के कैमरों की भी पड़ताल की गई, जिसमें आरोपियों की बिना हेलमेट तस्वीर स्पष्ट रूप से कैद हो गई।

इसके बाद स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और संदिग्धों की पहचान के प्रयास तेज किए गए। लगातार फील्ड वेरिफिकेशन के बाद 23 फरवरी 2026 की शाम को पुलिस ने गीता कॉलोनी पुस्ता के पास दो युवकों को उस समय दबोच लिया, जब वे मोटरसाइकिल पर घूमते हुए किसी वारदात की फिराक में थे। उनकी पहचान नादिम (22 वर्ष) निवासी उस्मानपुर और नसीम उर्फ शानू उर्फ नकली (23 वर्ष) निवासी खजूरी के रूप में हुई।

चोरी की बाइक और मोबाइल बरामद

गिरफ्तारी के समय उनके पास से यामाहा मोटरसाइकिल बरामद की गई, जो पहले से दर्ज एक वाहन चोरी के मामले में चोरी की पाई गई। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने शिकायतकर्ता का छीना गया मोबाइल फोन नादिम के घर से बरामद कर लिया। आगे की जांच में नसीम की निशानदेही पर बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी वेलकम क्षेत्र से बरामद की गई, जिसे उसने कुछ दिन पहले चांदनी चौक इलाके से चुराया था।

दिल्ली पुलिस की सतर्कता से अपराध की साजिश नाकाम

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- द्वारका जिले में गश्त के दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए थाना द्वारका नॉर्थ की टीम ने एक संदिग्ध युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर संभावित वारदात को टाल दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी क्षेत्र में अपराध करने की नीयत से घूम रहा था।

विशेष अभियान के तहत बढ़ाई गई निगरानी

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर थाना द्वारका नॉर्थ के पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष रूप से सक्रिय किया गया था। उन्हें नियमित गश्त करने, खुफिया जानकारी विकसित करने और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में एक समर्पित टीम का गठन किया गया, जिसकी निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त स्तर से की जा रही थी।

रात की गश्त में पकड़ा गया संदिग्ध

बीती रात लगभग 11:40 बजे सेक्टर-16, ककरोला नाले की सड़क के पास गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने एक युवक को संदिग्ध अवस्था में खड़ा देखा। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने थोड़ी दूरी तक पीछा कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम मनीष कुमार (उम्र 23 वर्ष), निवासी झुग्गी कॉलोनी, सेक्टर-16ए, द्वारका बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ।

शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई

बरामदगी के आधार पर आरोपी को शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का मानना है कि समय रहते की गई यह कार्रवाई क्षेत्र में संभावित अपराध को रोकने में सहायक साबित हुई है।

पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किसी अन्य वारदात में शामिल रहा है या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में गश्त और निगरानी आगे भी सख्ती से जारी रहेगी।

चलती ट्रक से 200 किलो इलायची चोरी करने वाला गिरोह बेनकाब

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में सक्रिय चोरी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए थाना लाहौरी गेट की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर एक चलती ट्रक से करीब 200 किलोग्राम इलायची चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 किलोग्राम इलायची से भरा एक बोरा और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

खारी बावली से लोडिंग के बाद हुई चोरी

मामले की शुरुआत 17 फरवरी 2026 को दर्ज एक ई-प्राथमिकी से हुई। शिकायतकर्ता दुखी कुमार, जो एक परिवहन कंपनी में चालक हैं, ने बताया कि 13 फरवरी की रात वह खारी बावली से इलायची और अन्य किराना सामान लादकर फरीदाबाद के लिए रवाना हुए थे। गंतव्य पर पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि ट्रक से इलायची के चार बोरे, प्रत्येक 50 किलोग्राम वजनी, गायब हैं। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रक का पीछा करते देखा गया। एक व्यक्ति ट्रक के पीछे चढ़कर बोरे नीचे फेंकता नजर आया।

एक मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसकी जांच में वाहन एक व्यक्ति दीपक के नाम पर पंजीकृत पाया गया। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन वह फरार मिला।

जाल बिछाकर तीन आरोपी दबोचे

गुप्त सूचना के आधार पर 20 फरवरी 2026 को पुल मिठाई क्षेत्र के पास पुलिस ने जाल बिछाया। वहां से आनंद (30 वर्ष) और प्रदीप (36 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया, जो चोरी की इलायची बेचने की फिराक में थे। उनके कब्जे से 50 किलो इलायची का एक बोरा और मोटरसाइकिल बरामद की गई।

उनकी निशानदेही पर तीसरे आरोपी सिथुन (24 वर्ष) को आजादपुर क्षेत्र से पकड़ा गया।

पूछताछ में सामने आया मास्टरमाइंड का नाम

गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया कि गिरोह का सरगना दीपक है, जबकि अन्य सदस्य संदीप और सचिन अभी फरार हैं। आरोपियों के अनुसार, 13 फरवरी की रात उन्होंने खारी बावली से ट्रक का पीछा किया। रास्ते में एक साथी ट्रक पर चढ़ गया और इलायची के बोरे नीचे गिराता गया, जिन्हें बाकी सदस्य उठाते रहे। सराय काले खां स्थित आरटीओ कार्यालय तक पहुंचते-पहुंचते चार बोरे चोरी कर लिए गए।

चोरी का माल आपस में बांटा गया था। गिरफ्तार आरोपियों को एक बोरा हिस्से में मिला, जिसे वे बेचने जा रहे थे।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

गिरफ्तार

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रक का पीछा करते देखा गया। एक व्यक्ति ट्रक के पीछे चढ़कर बोरे नीचे फेंकता नजर आया।

पुलिस ने फरार आरोपियों दीपक, संदीप और सचिन की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की है। शेष चोरी का सामान बरामद करने के प्रयास भी जारी हैं।

गिरफ्तार आरोपी बिहार के विभिन्न जिलों के निवासी हैं और दिल्ली में दिहाड़ी मजदूरी करते थे। पुलिस के अनुसार, आर्थिक लालच और नशे की लत के कारण वे अपराध की राह पर चले गए।

दिल्ली आबकारी नीति केस में 23 को क्लीन चिट, केजरीवाल और सिसोदिया बरी

नई दिल्ली/सिमरन मोरया/- दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में बड़ा अपडेट है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को अदालत ने बरी कर दिया है। दोनों ही आम आदमी पार्टी नेताओं को सरकार रहने के दौरान जेल भी जाना पड़ा था। जिस समय ये मामला सामने आया था तो दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि ऐसा कोई शराब घोटाला नहीं हुआ। उनकी सरकार की आबकारी नीति के खिलाफ मामला राजनीतिक प्रतिशोध और साजिश का नतीजा है। अब राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत इस मामले में सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया।

अदालत ने आदेश में क्या कहा

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से दाखिल आरोपपत्र का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने कहा कि आरोप पत्र में कई ऐसी कमियां हैं जिनका सबूतों से समर्थन नहीं मिलता। इसके साथ ही उन्होंने मामले में आम आदमी पार्टी के दोनों नेताओं के अलावा 21 अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। सीबीआई आम आदमी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार की ओर से अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

कोर्ट के फैसले पर केजरीवाल ने क्या कहा

कोर्ट का फैसला आने के बाद के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ सालों से बीजेपी जिस तरह से शराब घोटाले के बारे में कह रही थी और हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी तो आज कोर्ट ने सभी आरोप खारिज कर दिए। सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। सत्य की जीत हुई।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाई91 के बेड़े में शामिल हुए दो और विमान

दुबई। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 के बेड़े में दो नये एटीआर72-600 विमान शामिल हुए जिनका इस्तेमाल एयरलाइन अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करेगी। एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि उसने ये विमान संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी दुबई एयरोस्पेस एंटरप्राइजेज से लिये हैं। औपचारिक तौर पर दोनों विमान यहां दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में हुए एक समारोह में फ्लाई91 को सौंपे गये। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अब उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है।फ्लाई91 के नेटवर्क में वर्तमान में नौ शहर शामिल हैं। ये शहर हैं - मोपा (गोवा), अगाती (लक्षद्वीप) सोलापुर, जलगांव, सिंधुदुर्ग, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोच्चि। एयरलाइंस ने मार्च 2026 के अंत तक छह नये शहरों को अपने नेटवर्क में शामिल करने की घोषणा की है।

इंडिगो 29 मार्च से नवी मुंबई-भावनगर के बीच शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से महाराष्ट्र के नवी मुंबई और गुजरात के भावनगर के बीच उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है।एयरलाइंस ने बुधवार को बताया कि दोनों शहरों के बीच दो दैनिक उड़ानें होंगी। इस मार्ग पर वह एटीआर विमानों का परिचालन करेगी। नवी मुंबई से पहली उड़ान 6ई 7021 सुबह सात बजे रवाना होगी और 8.15 बजे भावनगर पहुंचेगी। वापसी की उड़ान 6ई 7022 सुबह 8.35 बजे भावनगर से चलकर 9.35 बजे नवी मुंबई उतरेगी।

शाम 7.25 बजे 6ई 7081 नवी मुंबई से उड़ान भरकर रात 8.30 बजे भावनगर पहुंचेगी। वापसी में 6ई 7082 रात 8.50 बजे भावनगर से चलकर रात 9.55 बजे नव मुंबई आयेगी।भावनगर गुजरात से सौराष्ट्र क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र है। यह जहाजरानी, नमक और हीरे के व्यापार के लिए जाना जाता है। इंडिगो के नेटवर्क में शामिल होने वाला यह देश का 97वां और कुल मिलाकर 142वां शहर होगा।

चावल, गेहूं, चीनी, दालों के भाव टूटे, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव घट गये। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों की कीमतों में भी गिरावट देखी गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 17 रुपये गिरकर 3,841 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं का भाव पांच रुपये घटकर 2,844 रुपये प्रति क्विंटल रहा। आटा कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहा विस्तृत समाचार के लिए है

शेयर बाजार : आईटी-ऑटो एवं फार्मा कंपनियों में जोरदार तेजी, एफएमसीजी कंपनियों पर दबाव

लिवाली-बिकवाली का बुधवार

■ मुंबई

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और प्रमुख सूचकांक अंतिम समय में हुई मुनाफावसूली के बावजूद हरे निशान में बंद हुए।बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 50.15 अंक (0.06 प्रतिशत) ऊपर 82,276.07 अंक पर पहुंच गया। कुल मिलाकर मुनाफावसूली के साथ ही बुधवार को लिवाली-बिकवाली के बीच प्रतिस्पर्धात्मक 'वार' दिखा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 57.85 अंक यानी 0.23 प्रतिशत चढ़कर 25,482.50 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक टूटे थे। आईटी, ऑटो, फार्मा और धातु कंपनियों में मजबूत लिवाली देखी गयी जबकि एफएमसीजी, सार्वजनिक बैंकों, रियलटी और तेल एवं गैस सेक्टरों की कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा।अन्य एशियाई बाजारों में रही तेजी से

शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों में भी निवेश धारणा मजबूत रही।

सेंसेक्स सुबह 732 अंक की बढ़त बनाता हुआ 82,957 अंक तक पहुंच गया था, लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक और अडानी पोर्ट्स जैसी दिग्गज कंपनियों में गिरावट के कारण बाद में इसकी बढ़त सीमित रह गयी। बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.66 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ गया। एनएसई में जिन 3,287 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,700 के शेयर ऊपर और 1,479 के नीचे बंद हुए। अन्य 108 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। जापान का निक्केई 2.20 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.72 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.66 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.95 फीसदी और जर्मनी का डैक्स 0.43 प्रतिशत ऊपर था।

रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंचा

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। बुधवार सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

एसबीआई 1.93, अडानी पोर्ट्स 1.72 प्रतिशत की गिरावट

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 2.80 फीसदी चढ़ गया। टाटा स्टील में 2.63 फीसदी, टीसीएस में 2.14, इंडिगो में 2.01, सनफार्मा में 1.92, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.80, टेक महिंद्रा में 1.13 और एक्सिस बैंक में 1.07 प्रतिशत की तेजी रही। बीईएल, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनीलिवर और एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर रहे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.23 प्रतिशत गिर गया। भारतीय स्टेट बैंक में 1.93 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 1.72, इटरनल में 1.46, भारती एयरटेल में 1.39 और आईटीसी में 1.22 प्रतिशत की गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए।

एलआईसी और म्यूचुअल फंड्स को 1.18 लाख करोड़ का झटका

■ मुंबई

फरवरी महीने में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 21 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जो 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद की सबसे अधिक मासिक गिरावट मानी जा रही है। इस तेज गिरावट का सबसे ज्यादा असर देश की दो प्रमुख वित्तीय संस्थाओं-एलआईसी और घरेलू म्यूचुअल फंड्स-पर पड़ा है, जिन पर आम निवेशक अपने बचत का भरोसा करते हैं। केवल इस माह में ही इन दोनों संस्थानों की आईटी शेयरों में निवेशित राशि में लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए घट गए।

- एसोशिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों अनुसार, जनवरी के अंत तक शीर्ष आईटी कंपनियों में म्यूचुअल फंड्स का कुल निवेश 3,55,600 करोड़ था, जो 24 फरवरी तक घटकर 2,80,933 करोड़ रुपये रह गया। यानी चार सप्ताह से भी कम समय में करीब 74,666 करोड़ की गिरावट दर्ज की गई।
- इसी तरह, ऐस इक्विटी से प्राप्त दिसंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग आंकड़ों के मुताबिक एलआईसी की शीर्ष 10 आईटी कंपनियों में हिस्सेदारी का मूल्य 2,11,257 करोड़ रुपए से घटकर 1,67,939 करोड़ रुपए रह गया, जिससे उसे लगभग 43,318 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।
- फरवरी के दौरान म्यूचुअल फंड हाउसों और एलआईसी ने अपनी हिस्सेदारी में कुछ बदलाव

किए हों-कहीं कटौती की हो या कुछ शेयर जोड़े हों। म्यूचुअल फंड्स का ताजा डेटा अगले महीने जारी होगा। एलआईसी की अपडेटेड हिस्सेदारी का खुलासा अप्रैल में कंपनियों के शेयरहोल्डिंग पैटर्न जारी होने पर ही होगा।

- इंफोसिस और टीसीएस दोनों संस्थानों के पोर्टफोलियो में सबसे बड़े आईटी शेयर हैं। दिसंबर तिमाही तक एलआईसी के पास इंफोसिस में 11.3प्रतिशत, टीसीएस में 5.3 प्रतिशत, टेक महिंद्रा में 11.5 प्रतिशत और एलटीआईमाइंडट्री में 9.6 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। ये वही कंपनियां हैं जिनके शेयरों में इस महीने सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। इंफोसिस 23 प्रतिशत टूटा है, टीसीएस में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- एचसीएल टेक, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, टेक महिंद्रा, कोफोर्ज और एलटीआईमाइंडट्री जैसे शेयरों में 20 प्रतिशत या उससे अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि एआई पारंपरिक आईटी सेवाओं के श्रम-आधारित मॉडल को चुनौती दे रहा है, जिससे दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है।

एफटीए से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यातकों के लिए खुलेंगे नए बाजार- कुमारस्वामी

■ नई दिल्ली

भारी उद्यम मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार संधियों (एफटीए) से देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए नये बाजार खुलेंगे और भारत इस क्षेत्र में विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा।

श्री कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर फिक्की द्वारा यहां आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ई-मोबिलिटी की देश की यात्रा विकसित भारत की यात्रा के अनुरूप है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे विनिर्माण मजबूत होगा, निर्यात की क्षमता भी बढ़ेगी। पिछले एक दशक में वाहनों के कलपुर्जों का निर्यात आठ अरब डॉलर से बढ़कर 16.9 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती विश्वसनीयता को दर्शाता है। 'केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों के लिए नये द्वार खुलेंगे। उद्योग को घरेलू बाजार के साथ निर्यात को मजबूत करने पर भी ध्यान देना चाहिये। उन्होंने कहा, 'विकसित भारत 2047 के एजेंडा में इलेक्ट्रिक परिवहन केंद्र में होगा। नीति की स्पष्ट दिशा और औद्योगिक भागीदारी से भारत खुद को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। 'उन्होंने देश में इलेक्ट्रिक परिवहन की बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 28 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे जा चुके हैं। इनमें 20 लाख दुपहिया और तीन लाख तिपहिया वाहन शामिल हैं। तिपहिया में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी करीब 32 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश में इसके लिए विपणन के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वाहनों की बैटरी बनाने के लिए 18,000 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गयी है और इसके जरिये 50 गीगावाट बैटरी विनिर्माण को सक्षम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 40 गीगावाट बैटरी का निर्माण किया जा चुका है।

बाजार में सोने की तुलना में चांदी में दिखी ज्यादा चमक

ईटीएफ में दिखा एमसीएक्स और कॉमेक्स पर तेजी का असर

■ मुंबई

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी मार्केट्स में सोना और चांदी दोनों में मजबूती देखने को मिली, लेकिन चांदी ने बढ़त के मामले में सोने को पीछे छोड़ दिया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर 2 अप्रैल 2026 डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 0.49त्न की बढ़त के साथ 1,60,750 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार होता दिखा। वहीं 5 मार्च 2026 की चांदी वायदा कीमत लगभग 2.55त्न उछलकर 2,67,394 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो चांदी में तेजी ज्यादा प्रभावशाली रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही रुझान देखने को मिला। कॉमेक्स पर गोल्ड फ्यूचर्स लगभग 0.49त्न की तेजी के साथ 5,201 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के करीब ट्रेड करते दिखे। जबकि, सिल्वर फ्यूचर्स 2त्न से अधिक

बढ़त के साथ लगभग 89 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के आसपास पहुंच गया।

ट्रेडिंग वॉल्यूम के आंकड़े भी यह संकेत दे रहे थे कि निवेशकों की दिलचस्पी चांदी में अपेक्षाकृत अधिक बनी हुई है। इस तेजी का असर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) सेगमेंट में भी साफ दिखाई दिया। चांदी आधारित ईटीएफ में अच्छी-खासी बढ़त दर्ज की गई। उदाहरण के तौर पर टाटा सिल्वर ईटीएफ, निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ और एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ जैसे फंड लगभग 1त्न की मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए। इसी तरह एसबीआई सिल्वर ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 1त्न की तेजी दर्ज की गई। अधिकांश सिल्वर ईटीएफ में 0.5त्न से 1.1त्न के बीच उछाल देखने को मिली, जो दिखाता है कि निवेशक चांदी को लेकर अधिक आक्रामक रुख अपना रहे हैं। वहीं गोल्ड ईटीएफ में बढ़त तो रही, लेकिन उसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही। निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्डबीज, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ और एचडीएफसी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे प्रमुख फंड 0.1त्न से 0.3त्न के दायरे में ऊपर रहे। यह अंतर बताता है कि फिलहाल बाजार में चांदी की मांग और ट्रेडिंग मूवमेंट सोने से अधिक तेज है। कुल मिलाकर, कमोडिटी बाजार में आई इस तेजी से संकेत मिलता है कि निवेशक बहुमूल्य धातुओं को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। हालांकि सोना पारंपरिक रूप से सुरक्षित ठिकाना माना जाता है, लेकिन मौजूदा दौर में चांदी की कीमतों में अधिक उतार-चढ़ाव ने उसे निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक बना दिया है। आने वाले दिनों में वैश्विक आर्थिक संकेतक और डॉलर की चाल इन दोनों धातुओं की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

स्वदेशी हार्मोन के वाणिज्यिक उत्पादन को सहायता स्वीकृत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने देश में पशु चिकित्सा तंत्र को सुदृढ़ करने और महत्वपूर्ण पशु-चिकित्सा सामग्रियों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में मालूर स्थित फर्म बायोवेट प्रा.लि. को पशुओं के उपचार के लिए कुछ चिकित्सकीय हार्मोन के विकास और वाणिज्यिक उत्पादन की परियोजना के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। यह सहायता उसके प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के जरिये स्वीकृत की गयी है। इस परियोजना का उद्देश्य देश में प्रमुख पशु प्रजनन हार्मोनों के वाणिज्यिक उत्पादन हेतु एक समर्पित विनिर्माण सुविधा की स्थापना करना है।

बीएसएनएल-वायासैट का सैटेलाइट कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू

■ जबलपुर

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और वायासैट इंडिया ने 'सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग' पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (टीआईआरटीसी) के तत्वावधान में शुरू किया गया है। सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले साल गठबंधन की घोषणा की थी। प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की।

वायासैट के अध्यक्ष (कॉमर्शियल) बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष (एडवांस्ड एनटीएन सॉल्यूशंस) संदीप मूर्ति और दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे।

सैटेलाइट एवं सैटेलाइट प्रौद्योगिकी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है। बीएसएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, 'नवाचार को बढ़ावा देने और देशज क्षमताओं का निर्माण करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप वायासैट के साथ गठबंधन के तहत हमारा प्रारंभिक पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर हमें वास्तव में बहुत प्रसन्नता है। हम भविष्य में इस गठबंधन का विस्तार कर विद्यार्थियों के लिए और पाठ्यक्रम एवं सुविधाएं लाने को लेकर हम प्रतिबद्ध हैं।' दूरसंचार विभाग के उपमहानिदेशक अनिल कुमार भारद्वाज ने कहा, 'उपग्रह संचार मॉड्यूल, संचार प्रौद्योगिकियों और उनके उपयोग के मामलों में वैश्विक तकनीकी दिग्गजों द्वारा पहले से ही संचालित किये जा रहे प्रशिक्षणों के अतिरिक्त है। इसका उद्देश्य संचार के उन्नत क्षेत्र में अत्यधिक कुशल जनशक्ति तैयार करना और भारत को दूरसंचार डिजाइन, विकास, विनिर्माण और सेवाओं में अग्रणी बनने में मदद करना है।'

600 करोड़ रॉयल्टी भुगतान विवाद में शाओमी ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

■ नई दिल्ली

चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी ने भारत में लगाए गए लगभग 72 मिलियन डॉलर (करीब 600 करोड़) के सीमा शुल्क दावे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। यह मामला केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग मॉडल की कानूनी स्थिति को भी प्रभावित कर सकता है। उद्योग जगत इस केस को एक मिसाल तय करने वाले विवाद के रूप में देख रहा है। दरअसल, भारत में शाओमी अपने कॉन्ट्रैक्ट मैनफैक्चरर्स के माध्यम से चीन से मोबाइल पार्ट्स आयात करवाती रही है। ये निर्माता आयातित पुर्जों पर कस्टम ड्यूटी चुकाकर देश में ही स्मार्टफोन असेंबल करते हैं।

■ कंपनी का कहना है कि रॉयल्टी भुगतान और आयात मूल्य को जोड़ना स्थापित औद्योगिक प्रथाओं के विपरीत है और इससे विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान पहुंचेगा। इस विवाद का असर केवल शाओमी तक सीमित नहीं है। उसके पूर्व कॉन्ट्रैक्ट मैनुफैक्टरर फ्लेक्स की भारतीय इकाई और फॉक्सकॉन से जुड़ी भारत स्थित कंपनी भी इस फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दे रही हैं। टैक्स विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अदालत भारतीय प्राधिकरणों के पक्ष में निर्णय देती है, तो फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों में रॉयल्टी समझौतों की व्यापक जांच शुरू हो सकती है। यह फैसला यह भी स्पष्ट करेगा कि भारतीय कस्टम विभाग की शक्तियों की सीमा क्या है और आयात मूल्य निर्धारण में रॉयल्टी को कैसे जोड़ा जाएगा।

विवाद तब खड़ा हुआ जब भारतीय टैक्स ट्रिब्यूनल ने नवंबर में कहा कि 2020 से पहले के कम से कम तीन सालों में आयातित सामान का मूल्य कम दिखाया गया है।

पीएसयू ने घरेलू उत्पादन व रिफाइनिंग क्षमताओं को तेजी से बढ़ाया

■ नई दिल्ली

तेल मंत्रालय से प्राप्त नए आंकड़ों के अनुसार भारत के तेल क्षेत्र के सरकारी उपक्रमों (पीएसयू) ने घरेलू उत्पादन और रिफाइनिंग क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तेजी से काम करते हुए जनवरी के अंत तक मौजूदा वित्त वर्ष के लिए अपने लक्षित पूंजीगत व्यय का 81 प्रतिशत उपयोग कर लिया है। हाल के वर्षों में भारत की तेल दिग्गजों का पूंजीगत व्यय बढ़ा है। तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में 1.62 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2024 में 1.28 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023 में 1.14 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार सरकारी तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में 1.32 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक लक्षित पूंजीगत व्यय में से 1.07 लाख करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं। वर्तमान गति को देखते हुए तेल कंपनियां वित्त वर्ष 2026 में अपने लक्षित पूंजीगत व्यय को पार कर सकती हैं, बशर्ते वे अपने आवंटित पूंजीगत व्यय का पूरी तरह से उपयोग करें। ऑयल इंडिया (ओआईएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (एचपीसीएल), मंगलूर रिफाइनरी ऐंड पेट्रोकेम (एमआरपीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसीएल) और इंजीनियर्स इंडिया (ईआईएल) ने अप्रैल-जनवरी की अवधि के दौरान ही अपने वार्षिक लक्ष्य पार कर लिए हैं।

वेदांता चालू वित्त वर्ष में दूसरी बार 30 अरब के बॉन्ड जारी कर जुटाएगी कर्ज

■ नई दिल्ली

भारत की खनन से लेकर तेल एवं गैस क्षेत्र में सक्रिय प्रमुख कंपनी वेदांता चालू वित्त वर्ष में दूसरी बार ऋण बाजार का रुख करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार कंपनी मार्च के अंत से पहले लगभग 30 अरब रुपये (करीब 329.89 मिलियन डॉलर) जुटाने की तैयारी में है। यह राशि कम अवधि वाले बॉन्ड जारी करके एकत्र की जाएगी। वेदांता दो वर्ष की अवधि वाले बॉन्ड, तीन वर्ष की अवधि वाले बॉन्ड या फिर दोनों का मिश्रित विकल्प जारी कर सकती है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

कंपनी ने कुछ बड़े निवेशकों, खासकर म्यूचुअल फंड्स के साथ बातचीत शुरू कर दी है। निदेशक मंडल की मंजूरी मिलने के बाद प्रक्रिया में तेजी आएगी। कंपनी का मार्च के पहले पखवाड़े में बॉन्ड इश्यू को पूरा करने का लक्ष्य है। वेदांता ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष जून में भी कंपनी ने कर्ज बाजार से 50 अरब रुपए जुटाए थे। उस समय दो साल, ढाई साल (30 महीने) और तीन साल की अवधि वाले बॉन्ड्स के जरिए धन एकत्र किया गया था।

■ वेदांता के मुख्य वित्त अधिकारी अजय गोयल ने पिछले महीने कहा था कि कंपनी अपनी प्रस्तावित चार अलग-अलग इकाइयों को मई के मध्य तक भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने का लक्ष्य रखती है। कंपनी की पुनर्गठन योजना के तहत स्टील और फेरस मेटल्स, तेल एवं गैस, एल्युमिनियम और पावर कारोबार को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित किया जाएगा। जबकि बेस मेटल्स व्यवसाय मूल कंपनी के पास ही रहेगा। इस कदम को वेदांता की वित्तीय रणनीति और पुनर्गठन प्रक्रिया का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए।

कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

[टी20 वर्ल्ड कप 2026] सेमीफाइनल के लिए जीत जरूरी

भारत-वेस्टइंडीज के बीच नॉकआउट मुकाबला आज

एजेंसी ■ कोलकाता

भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को ईडन गार्डन्स में होने वाला नॉकआउट मुकाबला काफी दबाव वाला होने वाला है, जिसमें जीतने वाली टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेगी। मैच शाम 7 बजे से शुरू होगा।

इस करो या मरो वाले मुकाबले में, दोनों टीमों को पता होगा कि सिर्फ स्किल से नतीजा तय नहीं होगा, टेम्परामेंट, गेम अवेयरनेस और दबाव में एग्जीक्यूशन भी उतना ही जरूरी रोल निभाएंगे। जैसा कि वर्ल्ड कप नॉकआउट क्रिकेट में अक्सर होता है, मैच का फैसला शायद इस बात से होगा कि कौन सी टीम मुश्किल पलों को बेहतर तरीके से संभालती है, न कि कौन सी टीम ज़्यादा एग्रेसिव क्रिकेट खेलती है। पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर अपनी शानदार जीत के बाद भारत इस मुकाबले में पूरे कॉन्फिडेंस के साथ उतरेगा। इस परफॉर्मेंस ने मोमेंटम वापस लाने और कैंप में भरोसा मजबूत करने में मदद की है। भारतीय बैटिंग लाइनअप अच्छी तरह से स्ट्रक्चर्ड दिखता है, जिसमें टॉप ऑर्डर में एग्रेसिव इरादे और बीच के ओवरों में अनुभवी स्टेबिलिटी है।

अभिषेक पर रहेंगी नजरें

युवा ओपनर अभिषेक शर्मा टूर्नामेंट की सबसे खास कहानियों में से एक रहे हैं। पिछले मैच में 30 गेंदों पर उनकी तेज रफ्तार 55 रन की पारी मॉडर्न टी20 बैटिंग का एक बेहतरीन उदाहरण थी, मिडिल ऑर्डर की कमान शायद सूर्यकुमार यादव के हाथों में होगी, जिनकी स्ट्राइक रोटेट करने और जरूरत पड़ने पर तेज़ी से रन बनाने की काबिलियत उन्हें हाई-प्रेशर सिचुएशन में एक जरूरी खिलाड़ी बनाती है। उनका साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे देंगे, जो दोनों डेथ ओवरों में बिना सोचे-समझे स्ट्रोक खेलने के बजाय सोच-समझकर हिटिंग करके मैच का रुख बदल सकते हैं। उनका रोल यह पक्का करना होगा कि भारत क्लस्टर में विकेट खोए बिना मोमेंटम बनाए रखे।

वरुण और अक्षर संभालेंगे स्पिन की कमान : बॉलिंग के नजरिए से, भारत के पास एक ज़बरदस्त अटैक है। जसप्रीत बुमराह एक बार फिर प्रेशर ओवरों में, खासकर पारी के आखिरी स्टेज में अपनी ट्रेडमार्क यॉर्कर और डिसिप्लिन्ड लाइन-एंड-लेंथ बॉलिंग के साथ अहम रोल निभाएंगे। अर्शदीप सिंह से नई गेंद से शुरुआती ब्रेकथ्रू दिलाने की उम्मीद है, जबकि वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी बीच के ओवरों में स्कोरिंग को कंट्रोल करने में अहम होगी, जब पिच धीमी हो जाती है।

दोनों टीमें

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

वेस्ट इंडीज : शाई होप (कप्तान), ब्रैंडन किंग, जॉनसन चार्ल्स, शिमरॉन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेस, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोटी, जेडन सील्स, अकील होसेन, क्विंटिन सैम्पसन।

पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद

जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, ईडन गार्डन्स की पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे इस नॉकआउट मुकाबले में पार्टनरशिप और स्मार्ट स्ट्राइक रोटेशन बहुत ज़रूरी हो जाएगा। कुल मिलाकर, यह मैच स्टाइल का एक दिलचस्प मुकाबला होने का वादा करता है - भारत का टैक्टिकल बैलेंस बनाम वेस्टइंडीज़ की ज़बरदस्त अप्रत्याशितता - जिसमें वर्ल्ड कप सेमीफ़ाइनल में जगह दांव पर लगी है।

वेस्टइंडीज के पास पावर-हिटिंग

हालांकि, वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल और शिमरॉन हेटमायर जैसे बैट्समैन मॉडर्न कैरेबियाई पावर-हिटिंग ट्रेडिशन को दिखाते हैं, जो आसानी से बाउंड्री पार कर सकते हैं। शाई होप एक अहम एंकर की भूमिका निभाएंगे, जो एग्रेसिव मिडिल ऑर्डर के चार्ज लेने से पहले टॉप पर स्टेबिलिटी देंगे। वेस्टइंडीज का लोअर ऑर्डर उन खिलाड़ियों के जरिए और फायरपावर जोड़ता है जो प्रेशर में भी बड़े छक्के मार सकते हैं। रोमारियो शेफर्ड और जेसन होल्डर जैसे ऑलराउंडर टीम में गहराई जोड़ते हैं, जो मैच के अहम फेज में बैटिंग और बॉलिंग दोनों ऑप्शन देते हैं। बॉलिंग में, गुडाकेश मोती और अकील हुसैन स्पिन वेरिएशन का इस्तेमाल करके भारतीय बल्लेबाजों को रोकने में अहम होंगे, क्योंकि पिच अक्सर मैच के आगे बढ़ने के साथ धीमे गेंदबाजों की मदद करती है।

क्रिकेट प्लेयर ऑफ द मंथ : सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पछाड़ा

डेरिल मिशेल ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार

एजेंसी ■ दुबई

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने जनवरी 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता है। उन्होंने लगातार दो शतक लगाकर न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत दिलाई थी।

न्यूजीलैंड के मिशेल ने भारत के टी-20 कैप्टन सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। जनवरी में भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में, न्यूजीलैंड ने 0-1 से पिछड़ने के बाद 2-1 से जीत हासिल की। मिशेल ने दूसरे मैच में नाबाद 131 रन बनाकर अपनी टीम की वापसी कराई और तीसरे मैच में 137 रन बनाकर अपनी टीम को 337/8 के मैच जिताने वाले स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 176 की औसत से 352 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार जीता। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर, मिशेल ने आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नंबर वन जगह हासिल कर ली।

आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुनी गई बांग्लादेश की सोभना

महिला टी-20 विश्व कप वैश्विक क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन करने वाली बांग्लादेश की बल्लेबाज सोभना मोस्तारी को जनवरी 2026 के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। बांग्लादेश की इस बल्लेबाज को आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और अमेरिकन लेफ्ट-आर्म पेसर तारा नोरिस के साथ नॉमिनी किया गया था। पिछले महीने वैश्विक क्वालिफायर में मोस्तारी ने पहले छह मैचों में 45.80 के एवरेज और 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए थे। उन्होंने टीम को खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

कतर ने भारतीय बास्केटबॉल टीम को हराया

एजेंसी ■ लुसैल (कतर)

भारतीय बास्केटबॉल टीम को कतर के खिलाफ अपने तीसरे फीबा विश्वकप 2027 क्वालिफायर ग्रुप डी मुकाबले में 99-73 से हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को लुसैल मल्टीपर्पस हॉल में खेले गए मुकाबले में ब्रैंडन गुडविन ने मेजबान टीम के लिए सबसे अधिक 23 अंक बनाए, जबकि कंवर संधू 15 अंक के साथ दुनिया के 75वें नंबर की भारतीय टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। प्रिंसपाल सिंह ने भारत के लिए फ्री थ्रो से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, इससे पहले ब्रैंडन गुडविन और टायलर हैरिस ने कतर को मैच पर नियंत्रण करने में मदद की, जिससे मेजबान टीम पहले क्वार्टर के आखिर में 28-17 से आगे हो गई। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत कंवर संधू के थ्री-पॉइंटर से की, जिसने पूरे समय के लिए माहौल बनाया। उन्होंने दूसरे क्वार्टर में कतर को 26-17 से हराया, जिससे ब्रेक तक स्कोर 45-43 हो गया। इसके बाद विश्व नंबर 78 कतर ने तीसरे क्वार्टर में भारत को 30-9 से हराकर मैच पर पूरा नियंत्रण कर लिया, जो आखिर में अंतर साबित हुआ। भारतीय बास्केटबॉल टीम मंगलवार को अपने ग्रुप की शीर्ष रैंक वाली टीम, वर्ल्ड नंबर 28 लेबनान से भिड़ेगी।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप टीम घोषित

लवलीना और निकहत की अगुआई में उतरेगा भारत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगी। भारत ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था।

चयन नीति के अनुसार एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए चुना जाएगा। इससे इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व बढ़ गया है। स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम की अगुआई करेंगी। स्पेन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अन्य खिलाड़ियों प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम में शामिल हैं। महिला वर्ग में अन्य खिलाड़ियों में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक) को टीम में जगह दी गई है। पुरुषों के वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सचिन (60 किग्रा) टीम की अगुआई करेंगे।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम

पुरुष : विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), आकाश (75 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

महिला : मिनाक्षी (48 किग्रा), निकहत जरीन (51 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), जैस्मिन (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 से अधिक किग्रा)।

'परफेक्ट फिनिश' के लिए जिम्बाब्वे से भिड़ेगा द. अफ्रीका

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के सेकंड लास्ट सुपर 8 मैच में, अरुण जेटली स्टेडियम में, अजेय दावेदार दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला बाहर हो चुकी ज़िम्बाब्वे से होगा।

दक्षिण अफ्रीका इस कॉम्पिटिशन में सबसे दमदार टीमों में से एक रही है, जिसने पहले ही अपने शानदार जीत के रिकॉर्ड के साथ सेमीफाइनल क्वालिफ़िकेशन पक्का कर लिया है। दूसरी ओर, जिम्बाब्वे अपने सुपर 8 मुकाबलों में भारी हार के बाद बाहर हो गई है, लेकिन वह एक मजबूत प्रदर्शन के साथ इज़्ज़त वापस पाने के लिए बेताब होगी। यह मैच टूर्नामेंट में लगातार मोमेंटम और ग्लोबल स्टेज पर इज़्ज़त और अनुभव के लिए खेलने वाली टीम के बीच की लड़ाई को दिखाता है।

दक्षिण अफ्रीका अपने हाल के मैचों में लगातार पांच जीत के शानदार सिलसिले के साथ मैदान में उतरी है। उनके सबसे हालिया मैच में उन्होंने आसानी से जबरदस्त टोटल बनाए, जिसमें बेहतर बैटिंग डेप्थ और बॉलिंग डिसिप्लिन दिखाया गया। ज़िम्बाब्वे का हालिया रिकॉर्ड एक जैसा नहीं रहा है, जिसमें दो भारी सुपर 8 हार ने पहले ग्रुप-स्टेज की सफलता को फीका कर दिया है। उनकी बॉलिंग यूनिट को विरोधी बैट्समैन को रोकने में मुश्किल हुई है, खासकर पहले बॉलिंग करने के बाद टोटल डिफेंड करते समय।

शुभम पुंडीर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और आकिब नबी को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, पहली बार बना रणजी चैंपियन

एजेंसी ■ हुबली

जम्मू-कश्मीर की टीम ने आज नया इतिहास रच दिया। जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक के साथ खिताबी मुकाबला पांचवें दिन शनिवार को ड्रा होने के साथ ही नये रणजी चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। जम्मू-कश्मीर के लिए यह उपलब्धि और भी शानदार रही क्योंकि उसके राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला यह ऐतिहासिक क्षण देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे। पहली पारी के शतकधारी शुभम पुंडीर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज में 245 रन बनाने तथा 60 विकेट लेने वाले आकिब नबी को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने जैसे ही अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 342 रन पर घोषित की उसके खिलाड़ी मैदान पर जश्न मनाने लगे। स्थानीय समयानुसार दोपहर के 2.10 बज चुके थे। दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाने का फैसला किया, जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया। जम्मू-कश्मीर को यह नामुकिन जीत हासिल करने में 67 साल लग गये। लेकिन आखिर यह संभव हो गया। अपना पहला फाइनल खेलना और वह भी आठ बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ बहुत बड़ी बात थी। लेकिन टीम ने बल्ले और गेंद से दबदबा बनाया और कर्नाटक को रोक दिया।

शुभम पुंडीर के शतक (121) और आकिब नबी के पांच विकेटों ने कर्नाटक को बैकफुट पर धकेल दिया। जम्मू-कश्मीर की दूसरी पारी में कामरान इकबाल ने 311 गेंदों पर 16 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 160 तथा साहिल लूथरा ने 226 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 101 रन बनाए। जम्मू-कश्मीर की इस जीत के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने टीम को जीत के लिए बधाई दी है जबकि कप्तान पारस डोगरा ने कहा कि उनके पास इस जीत को बयां करने के लिए शब्द नहीं है।

महिलाओं की 62 किग्रा स्पर्धा में सविता ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी ■ तिराना (अल्बानिया)

भारतीय पहलवान सविता ने मुहामेट मालो 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में महिलाओं की 62 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में अंडर 17 और अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी 20 वर्षीय भारतीय पहलवान सविता ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज स्पर्धा में अपना पहला पोडियम अमेरिका की 2025 जाग्रेब ओपन चैंपियन अडाउगो न्वाचुक्वू पर 7-5 से करीबी जीत के साथ पक्का किया।

इससे पहले ड्रॉ में, सविता ने क्वालिफिकेशन राउंड में ब्राजील की ओलंपियन लाइस नून्स को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में 59 किग्रा की यूरोपियन चैंपियन अनास्तासिया सिडेलनिकोवा से 12-2 से हार गईं। सिडेलनिकोवा के फाइनल में पहुंचने के साथ, सविता को कांस्य पदक जीतने का मौका मिला और उन्होंने सीनियर यूडब्ल्यूडब्ल्यू टूर्नामेंट में अपना पहला पक्का किया।

भारत दिन में दो और पदक से चूक गया, जब अपेक्षा विठ्ठल पाटिल (65 किग्रा) और कीर्ति (68 किग्रा) अपने-अपने कांस्य पदक मुकाबलों में हार गईं। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, रजत और दो कांस्य पदक जीते है।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की। 'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।

क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?

दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 करमीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे